छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वर्ष – 05 अंक – 57 बैकुंठपुर, मंगलवार 26 नवम्बर 2024 पृष्ठ –8 मूल्य –1

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

www.cgfrontline.com

देशदेखा क्लाइंबिंग: साहसिक खेलों से गांव के युवाओं का बढ़ा आत्म-विश्वास

मुख्यमंत्री के पहल पर जिले में हो रहा पर्यटन क्षेत्र में विकास

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में जशपुर जिले में पर्यटन क्षेत्रों में विकास हो रहा है। अन्य जिला सहित राज्य से भ्रमण के लिए पर्यटक आ रहे है और जशपुर के प्राकृतिक सौंदर्य की छबि अपने मन में बसा के जा रहे हैं। युवा यहां से साहसिक खेलों में निपूर्ण हो रहे हैं और उनमें आत्मविश्वास आ रही है।

जिला मुख्यालय में स्थित देश देखा क्लाइंबिंग सेक्टर में हाल ही में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी विद्यालय कुंडली हरियाणा, श्री महावीर दिगंबर जैन महाविद्यालय जशपुर और राज्य की अन्य शैक्षणिक संस्थाओं ने रॉक क्लाइंबिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया। इन कार्यशालाओं में निफ्टेम के 12, जैन स्कूल के 25 से अधिक तथा अन्य संस्थानों के विभिन्न छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व जशपुर के रॉक क्लाइंबिंग अंतरराष्ट्रीय गाइड्स रवि सिंह, तेजल भगत, सचिन कुजूर, रुशनाथ भगत, प्रतीक नायक और अनुराज भगत ने किया। इन गाइड्स ने प्रतिभागियों को न केवल रॉक क्लाइंबिंग के व्यावहारिक और तकनीकी पहलुओं से परिचित कराया, बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास और सामूहिक सहयोग की भावना भी विकसित की।

देशदेखा में शुरू की गई इस नई पहल से स्थानीय गांवों की अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिल रही है। देशदेखा के चेक पोस्ट पर तैनात अनिल बताते हैं, पहले हमें नहीं पता था कि ये पत्थर पर्यटकों को आकर्षित कर सकते हैं। अब रॉक क्लाइंबिंग की वजह से पर्यटक आने लगे हैं और हमारी आय बढ़ गई है। अनिल ने यह भी बताया कि आने वाले पर्यटक और क्लाइम्बर्स न केवल रोमांच का अनुभव ले रहे हैं, बल्कि यहां के पर्यावरण को साफ रखने में भी योगदान दे रहे हैं। ये लोग प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करने में हमारी मदद करते हैं और साथ आने वाले पर्यटक को स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इसके साथ ही जशपुर क्षेत्र में गाइड्स और प्रशिक्षकों को रोजगार मिल रहा है, जिससे उन्हें आजीविका का नया स्रोत प्राप्त हो रहा है। स्थानीय लोगों को इन गतिविधियों के माध्यम से विश्व स्तरीय अनुभव उनके अपने क्षेत्र में ही मिल रहा है।

श्री महावीर दिगंबर जैन महाविद्यालय के छात्र, जो गत दो वर्षों से रॉक क्लाइंबिंग वर्कशॉप में भाग ले रहे हैं, अब पहले से अधिक आत्मविश्वास महसूस कर रहे हैं। निफ्टेम के प्रोफेसर डॉ. प्रसन्ना कुमार जी. वी., जो पहले से ही जशपुर से जुड़े रहे हैं, देशदेखा के बारे में जानने के बाद यहां के छात्रों को रॉक क्लाइंबिंग का अनुभव लेने के लिए भेजने को उत्सुक थे। उनका मानना है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण न केवल छात्रों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि उन्हें जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार करते हैं। जशपुर प्रशासन की इस पहल ने यह साबित कर दिया है कि साहसिक खेल केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये स्थानीय अर्थव्यवस्था और शिक्षा के लिए भी लाभदायक हो सकते हैं। जहां एक ओर गाइड्स और स्थानीय लोग आय अर्जित कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर छात्र इस अद्वितीय अनुभव से प्रेरित हो रहे हैं। यह पहल गांव के बच्चों और युवाओं को अपने आसपास के पर्यावरण को एक नई दृष्टि से देखने की प्रेरणा देती है। पहले यह क्षेत्र केवल एक प्राकृतिक दृश्य स्थल था, लेकिन अब यहां के लोग इसे रोमांच, संभावनाओं और विकास के केंद्र के रूप में बदल चुका है। इसके अलावा इस पहल ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्थानीय और पर्यटकों के बीच जागरूकता बढ़ाई है।

गाइड्स ने बताया कि कई पर्यटक सफाई अभियानों में हिस्सा लेते हैं और स्थानीय बच्चों को प्लास्टिक कचरे के खतरे के बारे में शिक्षित करते हैं। आयोजकों का कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियां भविष्य में भी जारी रहेंगी और आने वाले वर्षों में यह स्थान एडवेंचर के लिए पसंदीदा केंद्र बनेगा। देश देखा क्लाइंबिंग सेक्टर न केवल रोमांच की नई कहानी लिख रहा है, बल्कि गांवों और उनके लोगों के लिए विकास और पर्यावरण संरक्षण की नई राह भी खोल रहा है।

हमर सुघ्घर ऑफिस अभियान: कलेक्टोरट परिसर में संचालित सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने किया श्रम दान

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार आज हमर सुघ्घर ऑफिस अभियान के तहत् कलेक्टोरेट में संचालित सभी विभाग ने श्रमदान कर अपने-अपने कार्यालय और परिसर में साफ-सफाई किया गया। इस दौरान पर कलेक्टोरेट में संचालित राजस्व विभाग विभाग, जनसंपर्क विभाग, जिला कोषालय, भू-अभिलेख, क्रेड़ा विभाग, खनिज विभाग, मछली पालन, आदिम जाति कल्याण विभाग, अपर कलेक्टर कार्यालय सहित सभी विभागों के द्वारा आज युद्ध स्तर पर कार्यलय की साफ-सफाई की गई। इसी प्रकार जिले के सभी तहसीलों में स्थित कार्यालयों में भी आज स्वच्छता के प्रति जागरूक होकर अधिकारी-कर्मचारियों ने साफ-सफाई की और स्वच्छता की शपथ ली।

विदित हो कि कलेक्टर ने हमर सुघ्घर ऑफिस के उद्देश्य के बारे में विगत दिवस सभी विभाग प्रमुखों को जानकारी दिए थे। उन्होंने बताया था कि प्रतियोगिता के माध्यम से शासकीय कार्यालयों में सुशासन की स्थापना, कार्यालय को व्यवस्थित एवं सुंदर बनाना, योजनाओं का प्रचार-प्रसार, आम जनता एवं कर्मचारियों के लिए कार्यालय में सुविधाओं का विकास, अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए सुरक्षित वातावरण का निर्माण, कर्मचारियों के शारीरिक एवं स्वास्थ्य में सुधार, कार्य क्षमता में वृद्धि, योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन एवं आम जनता को लाभ बेहतर सेवा के माध्यम से कार्यालय को आम जनता के लिए अनुकूल बनाना प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को अपने कार्यालय और कार्यालय परिसर को साफ-सफाई करके सुंदर रखने के लिए कहा था।

तीसरे अभियान में थ्रीडी प्लेनेटोरियम शो का कलेक्टर ने किया शुभारंभ, पुलिस अधीक्षक भी रहे मौजूद

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप विद्यार्थियों को विज्ञान में रुचि जगाने और उन्हें प्रोत्साहित करने राज्य शासन द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर के निर्देशन में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की अभिनव पहल से जिले के विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि जगाने, उन्हें जागरूक एवं शिक्षित करने हेतु अन्वेषण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रायोगात्मक गतिविधियों के आयोजन से छात्रों को अंतरिक्ष को जानने और समझने का अवसर मिल रहा है। कलेक्टर के मुख्य आतिथ्य में आज स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम नवीन आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अन्वेषण कार्यक्रम के तहत तीसरा महत्वपूर्ण कार्यक्रम थ्रीडी प्लनेटोरियम शो की शुरुआत हुई। इस दौरान कलेक्टर ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि पहले यह आयोजन महानगरो तक ही सिमित था। छत्तीसगढ़ शासन के मंशानुरूप आज तकनीक के इस दौड़ में बच्चे पीछे ना रह जाए और अपने सपने के अनुरूप भविष्य गढ़ सके इस हेतु इस तरह का आयोजन किया जा रहा है।

किसान उत्साह के साथ बेचने आ रहे अपने धान

■ धान खरीदी केन्द्र में अच्छी व्यवस्था, प्रबंधकों से भी मिल रहा अच्छा सहयोग- किसान रोशन प्रताप सिंह,
जिले में अब तक 2023.60 क्विंटल हुई धान की खरीदी

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सरकार में इस वर्ष धान खरीदी की अधिकतम सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ निर्धारित की गई है। जिससे जिले के किसानों में धान खरीदी को लेकर खासा उत्साह है और में टोकन से लेकर केन्द्र में दिए जा रहे सुविधाओं के प्रति काफी खुश हैं। जिले में धान खरीदी के लिए जिले में 46 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं।

जिले में अब तक 2023.60 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। इनमें धान उपार्जन केन्द्र किलकिला में 715.20 क्विंटल, कोतबा में 153.60 क्विंटल, कोनपारा में 59.20 क्विंटल, गंजियाडीह में 40.40 क्विंटल, चोंगरीबहार में 97.20 क्विंटल, भगोरा में 200.00 क्विंटल, तमता में 263.20 क्विंटल, पंगसुवां में 151.20 क्विंटल, पत्थलगांव में 343.60 क्विंटल धान खरीदी हुई है। पत्थलगांव विकासखण्ड क्षेत्र के चंदागढ़ निवास किसान रोशन प्रताप सिंह ने आज 300 क्विंटल धान बेचने के लिए धान उपार्जन केन्द्र तमता पहुचे। किसान रोशन ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार हम किसानों को 21 क्विंटल प्रति एकड़ दर से धान खरीदी कर रहे हैं। उन्होंने ने कहा कि पीछे दिनों जो अपवाह फैली थी, उससे मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट कर दिया है और हम सभी किसान 21 क्विंटल प्रति एकड़ दर धान बेचने रहे हैं। किसानों ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और संतुष्टि जताई। किसान रोशन ने कहा कि धान खरीदी केन्द्र तमता में अच्छी व्यवस्था है। किसानों का अच्छा सहयोग मिल रहा है। किसानों के लिए सारी सुविधा उपलब्ध है। सोसायटी प्रबंधकों और स्टाफ का भी सभी किसानों को सहयोग मिल रहा है।

जशपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, मोटरसाइकिल चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार, पांच बाइक बरामद

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। प्रार्थी आशीष मिंज उम्र 33 साल निवासी पण्डरीपानी ने दिनांक 22.11.2024 को थाना फरसाबहार में रिपोर्ट दर्ज कराया कि यह दिनांक 21.11.2024 के शाम करीब 04 बजे अपने दोस्त के साथ एक्टिवा स्कूटी क्र. सी.जी. 15 ई.ए. 0851 में साप्ताहिक बाजार फरसाबहार सब्जी खरीदने गया था, स्कूटी को बैंक के पिछे साईड खड़ा किया था, सब्जी खरीदकर वापस आने पर देखे कि जहां पर स्कूटी खड़ा किये थे, वहां पर स्कूटी नहीं था कोई अज्ञात चोर प्रार्थी के स्कूटी को चोरी कर ले गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना फरसाबहार में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 303(2), 238, 112, 3(5) भा.न्या.सं. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की विवेचना दौरान मुखबीर तंत्र को एक्टिव कर अज्ञात आरोपी की लगातार पजासाजी की जा रही थी एवं टीम में सायबर सेल को भी सम्मिलित किया गया था। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि तुरियालगा (फरसाबहार) खंडहर गोठान में कुछ अज्ञात लोगों द्वारा मोटरसायकल को छिपाकर रखे हैं। इस आधार पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर जाकर दबिष देकर वहां से चोरी का 01 स्कूटी एवं 04 मोटरसायकल को जप्त किया गया एवं उक्त मोटर सायकल की चोरी करने में सम्मिलित रहे 03 आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर थाना लाया गया, मुख्य आरोपी देवनाथ साय पैंकरा ने पूछताछ में बताया कि वह पिछले 03 माह से रायगढ़, ओड़िसा एवं जशपुर क्षेत्र में मोटर सायकल चोरी की घटना को अंजाम दे रहा है, भजन यादव एवं देवव्रत साय उसके सहयोगी हैं। आरोपीगण चोरी की मोटर सायकल को विक्रय नहीं करते थे अपितु उसे मासिक 03-05 हजार रू. किराये पर लोगों को देते थे। उक्त तीनों आरोपियों के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर उन्हें दिनांक 23.11.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। प्रकरण की विवेचना जारी है।

प्रकरण की विवेचना कार्यवाही एवं आरोपीगणों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी फरसाबहार उप निरीक्षक विवेक भगत, उप निरीक्षक खोमराज ठाकुर थाना प्रभारी तपकरा, सायबर सेल जशपुर एवं थाना फरसाबहार के समस्त स्टॉफ का योगदान रहा है। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा कहा गया है कि मोटरसाइकिल चोर गिरोह के 03 सदस्य को पकड़ने में सफलता मिली है, विवेचना के दौरान गिरोह के बारे में विस्तृत जानकारी एकत्रित करके और मोटरसाइकिल बरामद करने की कार्यवाही की जाएगी।

नारायणपुर में गौमांस बनाकर खा रहे थे 14 लोग, पुलिस ने छापा मारकर किया गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 24.11.2024 को थाना नारायणपुर को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम बेहराखार में आरोपी अशविन कुजूर के घर में गौ-वंश को क्रूरतापूर्वक काटकर खाने के लिये मांस बना रहे हैं, इस सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी नारायणपुर उप निरीक्षक सतीश सोनवानी तत्काल हमराह स्टाफ प्र.आर. 444 अजय कुजूर, आर. 102 जीवन मसीह, सै. 359 ओमप्रकाश यादव के साथ आगामी कार्यवाही हेतु रवाना हुये।

टीम द्वारा मुखबीर सूचना पर बताये हुये आरोपी अशविन कुजूर के घर पहुंचकर देखे जहां पर रोहित कुजूर, संजय कुजूर, अशविन कुजूर, अनुरंजन कुजूर, दीप कुमार तिर्की, बरथोलुयिस लकड़ा, प्रकाश तिर्की, पोलडेक लकड़ा, रानू कूजूर, अजमेस लकड़ा, संदीप कुजूर, तेलेस्फोर कुजूर, नवीन मिंज, आषीष टोप्पो सभी मौके पर मिले जो गौवंश को धारदार हथियार से क्रूरतापूर्वक काटकर उसके अवशेष को एक बोरे में रखे थे एवं 05-05 किलो का मांस दो अलग-अलग कड़ाही में तैयार कर रखे हुये थे, तथा कुछ लोग खा रहे थे। उनके बगल में एक नग टांगी, 02 नग बैठी मिला जिसे पुलिस द्वारा जप्त किया गया। उपरोक्त आरोपियों के संयुक्त कब्जे से (1) 02 ढंका 10 किलो गौ-मांस, (2) 01 टांगी, (3) 02 नग बैठी, (4) सफेद प्लास्टिक बोरा में गौ-वंश का अवशेष को जप्त किया गया है। उपरोक्त सभी आरोपियों के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर उन्हें दिनांक 24.11.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। विवेचना कार्यवाही एवं आरोपियों की गिरफ्तारी में उप निरीक्षक सतीश सोनवानी, उप निरीक्षक शिव कुमार यादव, स.उ.नि. भिनसेंट टोप्पो, प्र.आर. 444 अजय कुजूर, प्र.आर. 174 रंजीत खलखो, प्र.आर. 498 पूरन चंद पटेल, आर. 466 बल्थाजर तिग्गा, आर. 602 प्रदीप भगत, आर. 102 जीवन मसीह, न.सै. विरेन्द्र भगत, ओमप्रकाश, अमित तिर्की का विशेष योगदान रहा है। गिरफ्तार आरोपी 1. रोहित कुजूर उम्र 28 साल, 2.संजय कुजूर उम्र 32 साल, 3.अशविन कुजूर उम्र 32 साल, 4.अनुरंजन कुजूर उम्र 25 साल, 5.दीप कुमार तिर्की उम्र 25 साल, 6.बरथोलुयिस लकड़ा उम्र 50 साल, 7.प्रकाश तिर्की उम्र 45 साल, 8.पोलडेक लकड़ा उम्र 35 साल, 9.रानू कूजूर उम्र 31 साल, 10.अजमेस लकड़ा उम्र 25 साल, 11.संदीप कुजूर उम्र 35 साल, 12.तेलेस्फोर कुजूर उम्र 57 साल उपरोक्त सभी निवासी बेहराखार। 13.नवीन मिंज उम्र 30 साल निवासी जुड़वाईन चौकी दोकड़ा थाना कांसाबेल, 14.आषीष टोप्पो उम्र 28 साल निवासी जुड़वाईन चौकी दोकड़ा थाना कांसाबेल आदि है।

पंचायत भवन केराडीह में लर्निंग लाइसेंस शिविर का आयोजन 29 को

जशपुरनगर। सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए एवं सड़क सुरक्षा में जागरूकता लाने के प्रयास से 29 नवम्बर 2024 शुक्रवार को कुनकुरी विकासखण्ड के पंचायत भवन केराडीह में लर्निंग लाइसेंस जारी किये जाने के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला परिवाहन अधिकारी ने 29 नवम्बर दिन शुक्रवार को जिला परिवहन कार्यालय जशपुर पूर्ण रूप से बंद रहेगी। किसी भी प्रकार का शासकीय कार्यों का संपादन नहीं किया जायेगा। उन्होंने समस्त आवेदकों से अपील की है कि लर्निंग लाइसेंस के लिए किसी भी लोक सेवा केन्द्र और च्वाईस सेंटर से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं या परिवहन विभाग की वेबसाइट से स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं एवं 29 नवम्बर 2023 का स्लॉट लेकर पंचायत भवन केराडीह में उक्त तिथि को आवेदन के साथ उपस्थित होकर इस शिविर का लाभ ले सकते हैं।

कुंजारा जंगल में सागौन लकड़ी की चोरी का खेल हुआ फेल, तस्कर के हाथ लगे हत्थकड़ी

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि थाना कुनकुरी को मुखबीर से सूचना मिली कि थाना कुनकुरी क्षेत्र के ग्राम कुंजारा जंगल में अज्ञात तस्करों द्वारा बेशकीमती सागौन लकड़ी को ट्रैक्टर से तस्करी कर ले जाने वाले हैं इस सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी कुनकुरी उप निरीक्षक सुनील सिंह द्वारा रात्री गस्त में लगे कर्मचारियों को साथ लेकर आगामी कार्यवाही हेतु रवाना हुए। पुलिस द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से 10 बड़े लट्ठे सागौन लकड़ी कीमती लगभग 60 हजार रू. से भरे ट्रैक्टर को अभिरक्षा को जप्त किया गया, मौके पर वाहन स्वामी पंकज यादव उम्र 35 साल निवासी केरसई मिला जिससे पूछताछ करने पर तस्करी करना स्वीकार किया, उसके साथीगण अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये। पुलिस द्वारा मामला जंगल कटाई का होने से वन विभाग के रेंजर सुरेन्द्र होता को मौके पर बुलवाकर आगामी कार्यवाही हेतु सौंपा गया। वन विभाग द्वारा ट्रैक्टर मालिक के विरूद्ध वन अधिनियम् 1927 की धारा 26, 52 के तहत् कार्यवाही कर उसके वाहन को जप्त कर आगामी कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कुनकुरी उप निरीक्षक सुनील सिंह, रेंजर सुरेन्द्र होता, प्र.आर. गोविन्द यादव, आर. प्रदीप एक्का, आर. देवनाथ साय का योगदान रहा है। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह द्वारा कहा गया है किजशपुर पुलिस द्वारा रात्रि गश्त को अत्यधिक प्रभावी बनाया गया है, क्षेत्र के जागरूक ग्रामीणों से प्राप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्यवाही की गई है, मुस्तैदी से ड्यूटी करने वाले अधि/कर्मचारी को नगद ईनाम से पुरस्कृत किया गया है।

सिविल सेवा तैयारी हेतु प्राक्कयन परीक्षा 01 दिसम्बर को

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। सहायक आयुक्त आदिवासी ने जानकारी दी है कि राजीव युवा उत्थान उत्कर्ष योजना वर्ष 2019 के भाग (अ) के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु अभ्यर्थियों के चयन के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये थे। चयन समिति द्वारा प्राप्त आवेदन पत्रों के परीक्षण उपरांत अभ्यर्थियों का प्राक्कयन परीक्षा 01 दिसम्बर 2024, दिन रविवार को निर्धारित परीक्षा केंद्रों में दोपहर 12:00 से 2:00 बजे तक रायपुर में आयोजित किया गया है। चयन परीक्षा के लिए प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय तिलकनगर, लक्ष्मी नारायण कन्या विद्यालय कालीबाड़ी, प्रयास बालक आवासीय विद्यालय सड्डू, छत्तीगसढ़ पब्लिक स्कूल टाटीबांध, विवेकानंद विद्यापिठ कोटा-गुडयारी, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र पुराना आयुक्त कार्यालय रायपुर में आयोजित किया गया है।

प्राक्कयन परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन) एवं द्वितीय प्रश्न पत्र (एप्टिट्यूड टेस्ट सीसेट) हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को सम्मिलित कर तैयार किये गये एक प्रश्न पत्र के माध्यम से आयोजित की जाएगी। उन्होंने प्राक्कयन परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को सूचित किया कि विभा की वेबसाइट ट्राईबल डॉट सीजी डॉट जीवआव्ही डॉट ईन एवं एचएमएस ट्राईबल डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट ईन से फोटो युक्त प्रवेश पत्र डाउनलोड कर निर्धारित परीक्षा केन्द्र में लाना सुनिश्चित करेंगे।

सरना समिति में विधिवत पूजा-अर्चना कर किया गया धान खरीदी का शुभारंभ

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में धान खरीदी सभी समितियों में प्रारंभ हो गयी है। इसी के तहत विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम सरना समिति में गांव के वरिष्ठ नागरिक एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा पूजा पाठ कर धान खरीदी का शुभारंभ किया गया।

सरना समिति के अधीन ग्राम गिरवानी के श्री लखनलाल पहले किसान हैं, जिनसे समिति द्वारा धान खरीद कर खरीदी का शुभारंभ हुआ। धान बेचकर किसान के चेहरे में रौनक देखने को मिली। लखनलाल ने कहा कि वे सौभाग्यशाली हैं कि उनके 150 क्विंटल धान से राज्य सरकार के धान खरीदी का शुभारंभ जिले में हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को प्रति क्विंटल 3100 रुपए समर्थन मूल्य के लिए और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी के लिए आभार व्यक्त किया है। वे कहते है कि राज्य सरकार द्वारा प्रति क्विंटल 3100 रुपए के मान से रियायती मूल्य दिया जा रहा है। सरकार की बेहतर व्यवस्था से किसान खेती के लिए प्रेरित होकर समर्थन मूल्य पर धान बेच पा रहे है और किसान हमेशा उन्नति की ओर अग्रसर हो रहें हैं।

जिले में बनाए गए उपार्जन केन्द्र और पंजीयन और रकबा

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में बलरामपुर रामानुजगंज जिले में 49 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें जिले के 50 हजार 660 किसानों ने धान बिक्री के लिए पंजीयन किया है।

धान खरीदी में की गई व्यवस्थाएं

सरकार ने इस खरीफ विपणन वर्ष किसानों के लिए लघु एवं सीमांत कृषकों को अधिकतम 2 टोकन एवं बड़े कृषकों को 3 टोकन की पात्रता की सुविधा दी है। धान की गुणवत्ता और नमी की सही मात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं. धान में नमी का मापने के लिए इलेक्ट्रॉनिक मशीन लगाई गई हैं। धान खरीदी केंद्रों में गुणवत्ता की जांच का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

हेल्पलाइन नंबर जारी

धान उपार्जन केन्द्रों में शिकायत एवं निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया हैं जिसका नंबर 18002333663 है इसके माध्यम से किसानों को धान बेचने में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

टोकन प्राप्त करने ऑनलाइन सुविधा

सरकार द्वारा किसानों के हित में व्यवस्थाएं की गई है जिसके माध्यम से धान बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए बेहतर टोकन की व्यवस्था की गई है। जिससे किसान ऑनलाइन माध्यम से या फिर मैन्युअली तरीके से टोकन प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल धारक किसान टोकन तुंहर हाथ एप से घर बैठे ऑनलाइन टोकन हासिल कर सकते हैं।

एनएच पर ओवरटेक के चक्कर में दो ट्राला में भिड़ंत, जाम की स्थिति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर आज अल सुबह धुंध व ओवरटेक के चक्कर में ट्राला वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। दुर्घटना में ट्राला के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है और इंजन का चेंबर टूटने से सारा मोबिल सड़क पर फैल गया। मोबिल के सड़क पर फैलने से कई दोपहिया वाहन सवार सड़क पर फिसलकर दुर्घटना के शिकार हो गए। जयनगर पुलिस मौके पर पहुंच सड़क पर बालू डलवाया तब जाकर लोगों को राहत मिल सकी। गौरतलब है कि सोमवार की अल सुबह करीब साढ़े चार बजे ट्राला क्रमांक सीजी 10 बीआर 7747 का चालक मध्यप्रदेश रीवा निवासी संतोष वैश्य पिता भैया लाल वैश्य उड़ीसा से समान खाली कर लोड लेने कोतमा मध्यप्रदेश जा रहा था।तभी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर जयनगर धान खरीदी केंद्र के कुछ दूरी पर ट्राला वाहन चालक ओवरटेक के चक्कर में सामने से जा रहे ट्राला वाहन से टकरा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धुंध होने के कारण दूसरा वाहन चालक मौके से भाग गया, लेकिन खाली ट्राला वाहन का टक्कर के बाद उसका हॉर्स पीछे की ओर मुड़कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।घटना में ट्राला के सामने के हिस्से में इंजन के पास का मोबिल चेंबर फटने से पूरा मोबिल सड़क पर फैल गया, जिसके चिकनाहट के कारण दोपहिया वाहन चालक सड़क पर फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त होने लगे। बाद में सूचना पर मौके पर पहुंच जयनगर पुलिस सड़क पर रेत की परत बिछवाई और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को एनएच से किनारे कराकर यातायात सामान्य कराया। दुर्घटनाग्रस्त ट्राला वाहन कोतमा निवासी विवेकानंद शर्मा की बताई जा रही है। हादसे में चालक को सामान्य चोटे आई हैं।

ठेकेदार ने मजदूरी भुगतान रोका, श्रमिक परेशान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम पंचायत जयनगर में बनाए जा रहे रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कार्य में मजदूरी करने वाले कई गरीब महिलाओं व कर्मचारियों की बकाया राशि का भुगतान नहीं होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्य को भी ठेकेदार द्वारा आधा अधूरा अमानक स्तर का कार्य कराकर छोड़ दिया गया है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत जयनगर में स्थित रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण कार्य हेतु करीब अठ्ठाईस करोड़ रुपए की स्वीकृति केंद्र सरकार द्वारा दी गई है। जिसमें अगस्त 2023 में ओवरब्रिज निर्माण कार्य हेतु कार्य आदेश जारी करते हुए डेढ़ वर्ष में कार्य को पूर्ण करने की तिथि निर्धारित की गई है। ओवरब्रिज निर्माण कार्य का ठेका कोरबा के मेसर्स अशोक कुमार मित्तल को मिला है। बताया जा रहा है कि यहां पर ठेकेदार द्वारा कार्य की शुरुआत तो करा दी गई लेकिन आधा अधूरा अमानक स्तर का कार्य कराकर कुछ माह पूर्व ही कार्य को बंद करा दिया गया है। बताया जा रहा है कि ठेकेदार द्वारा यहां पर कार्य करने वाले कई कर्मचारियों के अलावा रेजा का काम करने वाली गरीब महिलाओं का भुगतान आज तक नहीं किया गया है। जिस वजह से महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा कई मैटेरियल का भी राशि भुगतान नहीं किया गया है। ऐसी स्थिति में जिला प्रशासन को तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए अधूरे कार्य को जल्द ही पुनः प्रारंभ कराकर बकाया राशि का भुगतान कराने पहल करनी चाहिए, जिससे मजदूरों को उनका हक मिल सके।

कसलगिरी धान खरीदी केंद्र में आज हुई धान की बोहनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। किसानों की हितैषी भाजपा की सरकार किसानों के धान का एक-एक दाना खरीदने को प्रतिबद्ध है। भाजपा सरकार ने अपने वादे के मुताबिक धान खरीदी किया है। किसानों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होगा।

उक्त बातें जिला पंचायत सदस्य महेश्वर पैकरा ने धान उपार्जन केंद्र कसलगिरी में धान खरीदी की शुरुआत किए जाने पर मुख्य आतिथ्य की आसंदी से व्यक्त करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं को उनका पूरा सम्मान दिया जा रहा है। धान उपार्जन केंद्र कसलगिरी में खरीफ वर्ष 2024-25 धान खरीदी का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य महेश्वर पैकरा समेत विशिष्ट अतिथि गणेश प्रसाद राजवाड़े, समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष भुवनेश्वर सिंह का स्वागत किया गया। नवनियुक्त समिति अध्यक्ष भुनेश्वर सिंह ने कहा कि कसलगिरी उपार्जन केंद्र में करमपुर, महेशपुर, बलरामपुर, कसलगिरी, शिवसागरपुर, बीरपुर जुड़वानी सहित आठ ग्राम पंचायत शामिल हैं, जो इस समिति के माध्यम से अपना धान बेच सकेंगे।सभी ग्राम पंचायत से कुल मिलाकर 680 कृषकों ने अपना पंजीयन कराया है। 25 नवंबर को शुभारंभ तिथि के अवसर पर किसान सुरेश कुमार व भूलन, बालो ने अपना धान बेचा है। इस अवसर पर केवल साय राजवाड़े, दीपक राजवाड़े, सुमन सिंह, सरपंच विश्वनाथ अगरिया, समिति प्रबंधक रजमोहन राम यादव, हेम नारायण राजवाड़े, कंप्यूटर ऑपरेटर चंदन राजवाड़े, मानसाय राजवाड़े, टिकेश्वर, दलसाय, अमरलाल, दिनेश राजवाड़े, रामधन राजवाड़े, संजय राजवाड़े, अनिल, देवसाय, ग्रामसेवक रवींद्र कुमार व्यास, रूपनारायण, सोहन राम सहित अन्य उपस्थित थे।

धान का खरीदी का कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ सतत् रूप से जारी

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में धान खरीदी का कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ सतत रूप से जारी है। धान उपार्जन केंद्र में धान विक्रय के लिए किसान बिना किसी परेशानी के ऑनलाइन तथा समिति के माध्यम से टोकन कटवाकर निर्धारित तिथि को धान विक्रय के लिए पहुंच रहे हैं। जिला प्रशासन ने धान खरीदी में पारदर्शिता बनाये रखने और गड़बड़ी रोकने के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। अधिकारी भी लगातार धान उपार्जन केन्द्रों में जाकर खरीदे जा रहे धान पर नजर रख रहे हैं। विकासखण्ड बलरामपुर के धान उपार्जन केंद्र बरदर में भी धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

बरदर समिति में 820 किसान पंजीकृत हैं, जिनका रकबा 975.93 हेक्टेयर है। समिति में 50 हजार मीट्रिक क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान तिथि तक धान बेचने के लिए समिति में 30 किसानों ने ऑनलाईन एवं ऑफलाईन के माध्यम से टोकन लिया है। समिति में अभी तक 430 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। समिति में धान बेचने आये ग्राम संतोषीनगर के किसान श्री अशोक सरकार ने बताया कि इस वर्ष 01 एकड़ खेत में धान का फसल लगाया था। उन्होंने पिछले सप्ताह धान बेचने के लिए टोकन लिया था। जिसके तहत आज वे अपना 45 बोरी धान बेचने समिति में आये हैं। इसी प्रकार ग्राम संतोषीनगर के ही कृषक श्री विष्णु मण्डल बताया कि इस वर्ष वे 105 बोरी धान बेचने के लिए टोकन कटवाया है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा 31 सौ रुपए की दर से 21 क्विंटल धान की खरीदी होने से किसानों को बड़ा संबल मिला है। साथ ही वे कहते हैं कि उन्हें धान विक्रय करने में कोई परेशानी नहीं हुई। जिला प्रशासन द्वारा उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि 3100 सौ रुपये प्रति क्विंटल में धान की खरीदी होने से किसानों को उनके फसल का इनाम मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि शासन द्वारा धान खरीदी के लिए बनाई गई नीति से किसानों का मान बढ़ा है। किसान बिना किसी परेशानी के धान विक्रय कर पा रहे है।

आमगांव खदान से चार महीने बाद कोयला उत्पादन हुआ शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बारिश में आमगांव खदान के डूबने के करीब चार माह बाद प्रबंधन ने तीन दिन पूर्व खदान से कोयला उत्पादन शुरू कराने में सफलता पाई है। गौरतलब है कि एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की आमगांव खुली खदान परियोजना जुलाई के अंतिम सप्ताह में हुई मूसलाधार बारिश से खदान के बाहरी हिस्से का पानी खदान के फेस में समा गया था। लगातार हुई भारी बारिश के बाद खदान पूरी तरह से डूब गया था, जिसके बाद गत दिनों एक अगस्त से यहां कोयला उत्पादन ठप पड़ा था।बताया जा रहा है कि भारी बारिश से खदान के फेस में करीब दो करोड़ गैलन से अधिक जल जमाव होने और उसे बाहर निकालने प्रबंधन के पसीने छूट गए। खदान से पानी निकालने प्रबंधन ने अलग अलग जगहों पर पांच हैवी ड्यूटी पंप लगाया था, जो दिन रात चलने के बाद पानी सुखाने में करीब चार माह का लंबा वक्त गुजर गया। इस कारण क्षेत्रीय प्रबंधन को करोड़ों रुपए का नुकसान उठाना पड़ गया। वहीं वार्षिक उत्पादन लक्ष्य से क्षेत्र खासा पिछड़ गया। अभी तीन दिन पहले यहां स्थिति सामान्य होने के बाद प्रबंधन खदान को पुनः शुरू करा पाई है। आमगांव खदान से कोयला उत्पादन शुरू होने से प्रबंधन को बड़ी राहत मिली है।

मुख्यमंत्री की महतारी वंदन योजना महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए नई पहल

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजनाओ में से एक है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की भूमिका को मजबूत करना है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के बेहतर नीतियों का नतीजा है कि महिलाएं योजना का लाभ लेकर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के साथ अपने जीवन स्तर में सुधार कर रहे है। महिलाओं की स्थितियों में सुधार की पहल के फलस्वरूप महिलायें आर्थिक हो या सामाजिक विभिन्न क्रियाकलापों से जुड़ स्वयं निर्णय ले रही हैं और बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो रही है। जमीनी स्तर पर महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हुए हितग्राहियों का कहना है कि इस योजना से अनेक माताओं-बहनों को अब छोटी-छोटी जरूरतों के लिए किसी के सामने पैसे मांगने की नौबत नहीं आती। समय से हमारे खाते में पैसा आ जाता है जिसका उपयोग हम आवश्यकतानुसार करते हैं। इसके पहले तक अपनी छोटी-छोटी जरूरतों की पूर्ति के लिए कुछ लोगों से पैसे मांगने की आवश्यकता पड़ती थी। कई बार कुछ रूपए के लिए उन्हें लंबा इंतजार भी करना पड़ता था। लेकिन अब हर महीने खाते में एक हजार की राशि प्राप्त हो जाती है, इससे अपनी जरूरतें हम पूरी कर लेते हैं। ऐसी ही ग्रामीण क्षेत्र की गरीब और जरूरतमंद महिलाओं के जीवन को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है महतारी वंदन योजना ।

बलरामपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत जाबर की निवासी श्रीमती अंजू देवी ने शासन की महतारी वंदन योजना की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने की दिशा में एक सार्थक पहल है। श्रीमती अंजू बताती है कि उनके पति खेती व मजदूरी का कार्य करते हैं। हमारा परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। जिस कारण मैं अपने बच्चों का सही ढंग से पालन-पोषण तथा अच्छी शिक्षा नहीं दे पाती थी। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना से हर माह मेरे बैंक खाते में 1000 हजार रुपये आ जाते हैं, जिसका उपयोग मैं परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में करती हूं। उन्होंने बताया कि उन्हें विगत 09 माह से योजना के तहत राशि प्राप्त हो रही है। जिसका उपयोग वे अपने एवं अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने, बच्चों के अध्यापन कार्य में करती हैं। उन्होंने इस योजना को जरूरतमंद महिलाओं के लिए मुश्किल समय का सहारा बताया। श्रीमती अंजू देवी ने कहा कि हर माह खाते में राशि आने से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ रहा है कि महिलाएं भी आगे बढ़ सशक्त हो सकती हैं।

उन्होंने कहा कि समाज के निम्न एवं मध्यम वर्ग की महिलाएं अपने जरूरी तथा छोटे-बड़े आवश्यकताओं के लिए परेशान होती थी परन्तु प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना से अब प्रतिमाह 1000 रुपए खाते में जमा हो रहा है, जिससे महिलाएं अपनी जरूरतों को पूरा कर पा रहीं हैं। जिससे वे निर्भीक होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर पा रहे हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना को महिलाओं के लिए उपयोगी एवं लाभप्रद बताते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

जांच में फर्जी कोटवारी भुमि का पट्टा निकला फर्जी, निरस्त करने तहसील न्यायालय ने कि अनुशंसा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर /बतौली। जिला के बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत शिवपुर में राजस्व विभाग की मिली भगत से ग्राम के ही कृष्णा , कन्हैया, किशुन के द्वारा सन 2005 में कोटवारी के नाम पर फर्जी पट्टा बनवा लिया गया था जब अनावेदकों द्वारा उस पर फसल लगवाया गया तो ग्रामीणों ने इसका विरोध किया किन्तु मामला पंचायत स्तर पर नही सुलझने की वजह से दोनों पक्षों द्वारा न्यायालय में प्रकरण दर्ज कराया गया।

मामला बतौली के ग्राम पंचायत शिवपुर का

इस संबंध में ग्राम शिवपुर के आवेदक आकाश राम, राजाराम, धनेश, लालबहादुर, रामविचार राम, मोतीलाल द्वारा तहसील न्यायालय बतौली में सामाजिक कार्यकर्ता व हाईकोर्ट अधिवक्ता धीरेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में प्रकरण दायर कर उक्त पट्टा का निष्पक्ष जांच कर रिकार्ड अवलोकनार्थ करने पैरवी कि गई।

विभिन्न तथ्यों एवं मयसबुतों के आधार पर तहसील न्यायालय ने जांचोउपरांत पाया कि जिस भूमि को अनावेदकों द्वारा अपने नाम का होना बताया जा रहा है उसका रिकॉर्ड में कहीं नाम ही नहीं है इस आधार पर भुमि के पट्टे को फर्जी करार देते हुए आवेदकों के पक्ष में 13/11/2024 को फैसला सुनाते हुए अनुविभागीय अधिकारी सीतापुर एवं कलेक्टर महोदय को तथ्यात्मक दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए तत्काल अनावेदक के नाम पर बने पट्टा को निरस्त करने अनुशंशा कि है। वहीं तहसीलदार बतौली सुश्री तारा कुमारी सिदार के प्रति इस फैसले को लेकर आवेदकों सहित अधिवक्ता धीरेन्द्र शर्मा ने आभार व्यक्त किया है ।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ का स्टॉल इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ का स्टॉल इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां ढोकरा कला, कोसा सिल्क, बस्तर के बांस शिल्प और अन्य पारंपरिक शिल्पों की झलक देखने को मिलती है। इसके साथ ही, राज्य ने अपने औद्योगिक उत्पादों, विशेष आर्थिक क्षेत्रों और हर्बल उत्पादों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया है। इस वर्ष की थीम विकसित भारत ञ्च 2047 को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ ने अपने स्टॉल को तैयार किया है। राज्य ने हाल के वर्षों में अपने आदिवासी क्षेत्रों के विकास, रोजगार सृजन, और औद्योगिक निवेश में उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य ने एक मजबूत औद्योगिक और सामाजिक आधार तैयार किया है, जिसने देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित किया है।

उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 43वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला प्रारंभ हो गया है। इस वर्ष मेले की थीम विकसित भारत 2047 है, जिसमें देश के सभी राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेश अपनी प्रगति और उपलब्धियों को प्रदर्शित कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ भवन की आवासीय आयुक्त श्रीमती श्रुति सिंह ने छत्तीसगढ़ के पवेलियन का उद्घाटन किया। इस मौके पर छत्तीसगढ़ से आए कलाकारों ने करमा नृत्य की प्रस्तुति दी। 'विकसित छत्तीसगढ़-2047' की अवधारणा पर छत्तीसगढ़ के ग्रामोद्योग, स्वयं सहायता समूह, हैंडलूम, हस्तशिल्प, हर्बल, कृषि विभाग आदि के स्टॉल लगाए गए हैं।

मुख्यमंत्री अब ट्रेन से भी करेंगे राज्य के विविध क्षेत्रों का दौरा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अब ट्रेन से भी प्रदेश के विविध क्षेत्रों का दौरा करेंगे। यह निर्णय साय ने उस वक्त अचानक लिया जब बिलासपुर में आयोजित कवि सम्मेलन में शामिल होने के लिए बिलासपुर जाने की तैयारियों की बात चली। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रेन यात्रा मेरे लिए नई नहीं है। विधायक एवं सांसद रहते हुए मैने अनेक बार ट्रेन यात्रा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रेन से यात्रा करने का आनंद यह है कि बहुत से नए लोगों से परिचय होता है, उनसे आत्मीय मुलाकात होती है और ऐसा लगता है कि बहुत बड़े परिवार के साथ यात्रा पर जा रहे हों।

साय आज शाम अमरकंटक एक्सप्रेस से रायपुर से बिलासपुर के लिए रवाना हुए। वे मुख्यमंत्री निवास से कार द्वारा रेल्वे स्टेशन पहुंचे। वहां बिना विशेष ताम झाम के प्लेटफार्म तक पहुंच गए। मुख्यमंत्री को अचानक प्लेटफार्म पर देखकर लोगों की खुशियों का ठिकाना न रहा। उन्होंने उत्साह के साथ मुख्यमंत्री का अभिवादन किया, साय ने भी गर्मजोशी से उनसे मुलाकात कर बातचीत की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि ट्रेन की यात्राएं हमेशा खास होती है। रेल यात्राओं की आम भारतीय के जीवन में खास जगह है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज अमरकंटक एक्सप्रेस से रायपुर से बिलासपुर की यात्रा को लेकर खासे उत्सुक दिखे। वे प्लेटफार्म पर बैटरी चलित कार छोड़ आम यात्रियों की तरह प्लेटफॉर्म पर पैदल चले और ट्रेन से अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। उन्होंने आम यात्री की तरह मूंगफली खाते हुए देशी अंदाज में कहा कि इसके बिना भारतीयों की रेल यात्रा पूरी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि ट्रेन सार्वजनिक संपत्ति है और ट्रेन की स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही यात्रियों को जागरूकता का परिचय देते हुए ट्रेन में खाने के बाद मूंगफली के छिलके इधर उधर नहीं फेंकने चाहिए जिससे अन्य यात्रियों को परेशानी न हो। मुख्यमंत्री साय ने कहा मैंने ट्रेन से खूब यात्राएं की है और यात्रियों के साथ उन्होंने इससे जुड़े कुछ मजेदार किस्से और अनुभव भी साझा किए।

PSC कोचिंग के नाम पर लाखों की ठगी, कौटिल्य एकेडमी का डायरेक्टर फरार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी से इस वक्त एक बड़ी खबर निकल कर सामने आई है। जहां यूपीएससी और PSC की कोचिंग के नाम पर बड़ी ठगी की गई है। मिली जानकारी के अनुसार कौटिल्य एकेडमी के डायरेक्टर और उनकी पत्नी 21 लाख रुपए लेकर के फरार हो गए हैं। बताया जा रहा है कि जीई रोड स्थित अनुपम गार्डन के सामने एक कोचिंग सेंटर खोला गया था। कौटिल्य एकेडमी के नाम से खोले गए इस कोचिंग सेंटर में यूपीएससी और पीएससी की तैयारी कराई जा रही थी। लेकिन बताया जा रहा है कि कौटिल्य एकेडमी के डायरेक्टर अपनी पत्नी के साथ छात्र-छात्राओं से करीब 21 लख रुपए लेकर के फरार हो गए हैं। इतना ही नहीं स्टाफ के सैलरी चेक भी बाउंस हो गए हैं। पति पत्नी के खिलाफ थाना सरस्वती नगर में अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है और आरोपियों को तलाश में की बात कह रही है। कौटिल्य एकेडमी के डायरेक्टर पवन टांडेश्वर और उसकी पत्नी रूबी मजूमदार दोनों फरार हो गए हैं। यह कोचिंग सेंटर UPSC-CGPSC की तैयारी करवाने के लिए कौटिल्य एकेडमी के नाम पर शुरू किया था। जो कि जीई रोड पर अनुपम गार्डन के सामने शुरू किया था। रायपुर का यह इलाका ऐसा है जहां ज्यादातर छात्राएं अपना भविष्य बनाने के लिए आते हैं। रायपुर के बड़े कॉलेज और स शैक्षिक संस्थान ज्यादातर इसी इलाके में स्थित है। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, साइंस कॉलेज और NIT जैसे बड़े संस्थान इसी जगह पर स्थित है। जाहिर है इसी बात का फायदा उठाकर ठगी करने वालों ने पहले से ही प्लान किया था।

धान खरीदी शासन की प्राथमिकता, नोडल अपने प्रभार के उपार्जन केंद्रों का करें निरीक्षण - कलेक्टर

बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम लाने प्री बोर्ड परीक्षा परिणाम उपरांत पालक शिक्षक बैठक कराने के निर्देश

कलेक्टर की अध्यक्षता में समयसीमा की बैठक संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / कलेक्टर श्री विलास भोसकर की पहल पर सोमवार को आयोजित पहली समय सीमा की बैठक नवीन कंपोजिट बिल्डिंग के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री भोसकर ने शासन की प्राथमिकता अनुरूप धान खरीदी महाभियान की समीक्षा की। कलेक्टर ने जिले में जारी धान खरीदी पर कहा कि शासन द्वारा निर्धारित प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का पालन हो। इसमें किसी तरह की भ्रम की स्थिति ना हो। नोडल अधिकारी निरंतर अपने प्रभार के धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण करें। उन्होंने अंबिकापुर और सीतापुर में संग्रहण केंद्र तैयार किए जाने पर वेयरहाउस कॉरपोरेशन के अधिकारी से जानकारी ली। उन्होंने खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन राइस मिलर ने अब तक चावल जमा नहीं किया है, उनके विरुद्ध वसूली की कार्यवाही करें।

सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था - कलेक्टर ने जिले में बढ़ती ठंड के मद्देनजर सार्वजनिक क्षेत्रों, रैन बसेरा आदि के नजदीक अलाव की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने समाज कल्याण विभाग द्वारा गरीब जरूरतमंद लोगों को गरम कपड़े वितरित किए जाने भी निर्देशित किया। प्री बोर्ड परीक्षा, जाति प्रमाण पत्र सहित छात्र छात्राओं की आवासीय व्यवस्था की ली जानकारी - बैठक में कलेक्टर ने प्री बोर्ड परीक्षा की तैयारी की जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी से ली। उन्होंने कहा कि प्री बोर्ड परीक्षा के परिणामों के उपरांत 10वीं और 12वीं के छात्राओं के पालकों के साथ पालक शिक्षक बैठक की जाएगी जिससे पालकों को भी बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने प्रेरित किया जाएगा। इसी तरह उन्होंने जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने और छात्रावासों तथा आश्रमों में बच्चों के आवासीय व्यवस्था की जानकारी ली।

वैवाहिक एवं त्योहारी सीजन को देखते हुए डीजे के संचालन पर विशेष ध्यान देते हुए माननीय सुप्रीम कोर्ट के निदेशों का पालन सुनिश्चित करने कलेक्टर ने समस्त एसडीएम एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संचालन, समय और उपयोग के संबंध में, माननीय जो निर्देश दिए गए हैं, उनका शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही भी की जाए। इसी तरह बैठक में उन्होंने समयसीमा में लंबित आवेदनों की समीक्षा, राजस्व मामलों, भू अर्जन प्रकरणों में भुगतान, विभागों द्वारा आबंटित भूमि के अधिग्रहण और अभिलेख दुरुस्ती संबंधी जरूरी दिशा निर्देश दिए।

किसानों का सम्मान व उपज का पूरा दाम दे रही हमारी सरकार

विधायक भूलन ने किया पतरापाली में धान खरीदी का किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। क्षेत्र के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति पतरापाली में सोमवार को क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी ने धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक ने विधिवत पूजा अर्चना कर किसानों की समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह ने कहा हमारी सरकार द्वारा मोदी की गारंटी के तहत अपने संकल्प पत्र में किसानों की बेहतरी के लिए जो भी वादे किए गए थे उन सभी गारंटियों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने तय किया था कि 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरिदी करेंगे उसी संकल्प के तहत धान खरीदी की जा रही है। विधायक ने किसानों को आस्वस्त किया है कि वे धान विक्रय के लिए उपार्जन केन्द्र लेकर आएं और 40.6 ग्राम तौलकर छोड़ दें बाकि काम समिति को करना है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार से किसानों को कोई समस्या आती या गड़बड़ी की शिकायत आती है तो समिति प्रबंधक उसके लिए जिम्मेदार होंगे। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्री राम सिंह क्वापरेटिव बैंक प्रबंधक श्यामलाल सिंह खाद्य निरीक्षक नीलम ग्रेश मिंज समिति प्रबंधक सुनील कुशवाहा सहायक नोडल अधिकारी रामबिलास दिवाकर लेखापाल बालकृष्ण पटेल सेल्समैन जवाहर ठाकुर कम्प्यूटर आपरेटर निर्मल राजवाड़े भृत्य श्यामलाल सिंह सहित भाजपा से जुड़े लोग गणमान्यजन तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

कुसमी में आयोजित बिरसा मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े रही मुख्य अतिथि

मनोरा की टीम ने विजेता का खिताब किया हासिल, कोरंधा की टीम उपविजेता

अम्बिकेश गुप्ता

कुसमी। हाईस्कूल खेल मैदान कुसमी में बिरसा मुंडा फुटबाल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार की कैबिनेट मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग सह बलरामपुर जिला प्रभारी लक्ष्मी राजवाड़े इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई. तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सामरी के पूर्व विधायक व संसदीय सचिव सिद्धनाथ पैकरा, पूर्व सरगुजा सांसद कमलभान सिंह शामिल हुए, जहां समापन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक उद्देश्वरी पैकरा ने की।

विकासखंड स्तरीय आयोजित बिरसा मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 5 नवंबर मंगलवार से प्रारंभ होकर 24 नवंबर रविवार को करौंधा व मनोरा कि टीम के बीच शानदार खेल के साथ समापन किया गया. करौंधा व मनोरा के बीच चले फाइनल खेल में मनोरा की टीम ने 3-1 गोल से संघर्ष पूर्वक विजय हासिल की। इसके साथ ही इस पूरे मैच में उप विजेता का स्थान पर करोंधा की टीम पहुंची। समापन मैच को देखने तथा प्रथम बार कुसमी नगर में छत्तीसगढ़ सरकार की कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की बातों को सुनने विकासखंड सहित आस - पास गांव से हजारों ग्रामीण इस अवसर पर उपस्थित रहें।

वहीं कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रथम कुसमी नगर में आगमन पर भाजपा कार्यकताओं में हर्षोल्लास व्याप्त था. नगर आगमन के पूर्व जगह - जगह भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा फ्लेक्स बैनर से नगर को सजा दिया था. रविवार को भाजपा कार्यकताओं ने वन विभाग विश्राम गृह के पास सर्वप्रथम अतिशबाजी कर ढोल व नगाड़ों के साथ पुष्प गुच्छ भेंट कर माल्यार्पण से स्वागत किया. साथ ही उपस्थित विधायक उद्देश्वरी पैकरा, पूर्व विधायक सह संसदीय सचिव सिद्धनाथ पैकरा, पूर्व सरगुजा सांसद कमलभान सिंह का भी स्वागत किया गया. जिसके बाद वन विभाग के विश्राम गृह पहुंचते ही कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का गॉड ऑफ ऑनर से सम्मान किया गया.

यहां से कैबिनेट मंत्री सहित उपस्थित सभी अतिथियों का काफिला सीधा हाई स्कूल खेल मैदान में पहुंचा. जहाँ पर फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन कर्ता व सर्व समाज के द्वारा ढ़ोल नगाड़ो व नृत्य के साथ सह सम्मान मंच तक लाया गया. जहां पर बारी-बारी से सभी वर्गों ने मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत पुष्प कुछ भेंट कर तथा माला पहना कर किया गया. साथ ही सर्व आदिवासियों के प्रतीक रूपी गमछा से सिर पर पगड़ी बांधकर अतिथियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विजेता व उपविजेता टीम को बधाई देते हुए अपने लक्ष्य पर निरंतर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दिया . तथा हाई स्कूल खेल मैदान के चारों तरफ निस्तारीकरण के लिए घोषणा करते हुए खेल के प्रति युवाओं को बढ़-चढ़कर आगे आने हेतु प्रोत्साहित किया. साथ ही सड़क दुर्घटना की वजह से कार्यक्रम में देरी से पहुंचने के लिए उपस्थित मंच व दर्शकों से माफी मांगा.

सामरी विधायक उधेश्वरी पैकरा ने भी विजेता व विजेता टीम को बधाई देते हुए क्षेत्र में चलने वाले विकास कार्यों व सड़कों के निर्माण के विषय में सभी के बीच साझा किया. तथा उपस्थित मंत्री से निवेदन पूर्वक हाई स्कूल खेल मैदान के चारो तरफ निस्तारीकरण के लिए घोषणा करने की अपील की.

पूर्व विधायक व संसदीय सचिव सिद्धनाथ ने कहा मैं भूतपूर्व हूं मुझे घोषणा करने का अधिकार नहीं है. लेकिन मैं विश्वास दिलाता हूं. कि इस साल के बजट में कुसमी के खेल मैदान के निस्तारीकरण को शामिल कराएंगे. कार्यक्रम को पूर्व सांसद कमलभान सिंह सहित अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया.

जिलाध्यक्ष व मण्डल अध्यक्ष से असंतुष्ट कार्यकताओं ने बैनर से गायब किया फोटो

इस कार्यक्रम के मंच पर लगे बैनर में वर्तमान सांसद चिंतामणि महाराज का फोटो नहीं लगाया गया जो चर्चा का विषय बना रहा. सर्व समाज के द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में पहुंचने वाले अतिथियों का फोटो बैनर पर लगाया गया था. वर्तमान सांसद चिंतामणि महाराज से समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए फोन पर चर्चा की गई थी जिस पर उन्होंने बताया था कि 25 तारीख से दिल्ली में सत्र प्रारम्भ होने वाला है. तथा में 21 तारीख को ही दिल्ली के लिए रवाना हो जाऊंगा. इस कारण उन्होंने अपनी उपस्थिति नहीं होने की जानकारी दी थी. इसलिए मंच के बैनर में उनका फोटो नहीं लगा. वहीं नगर में भारतीय जनता पार्टी के फ्लेक्स बैनर में चिंतामणि महाराज का फोटो लगाया गया था. परंतु बलरामपुर भाजपा जिला अध्यक्ष व मंडल अध्यक्ष का फोटो बैनर से गायब होने पर मंडल अध्यक्ष ने आपत्ति जताते हुए कई तरह का बयान जारी किया है. इससे स्पष्ट है कि जिला अध्यक्ष व मंडल अध्यक्ष से कार्यकर्ता असंतुष्ट हैं. जो बदलाव चाह रहे हैं. ताकि पार्टी में गुटबाजी की स्थिति निर्मित न हो।

बालिकाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण हेतु इच्छुक पंजीकृत प्रशिक्षकों से

06 दिसम्बर तक आवेदन आमंत्रित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / समग्र शिक्षा के मिशन समन्वयक ने बताया कि राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ रायपुर से प्राप्त निदेर्शानुसार रानी लक्ष्मीबाई प्रशिक्षण कार्यकम अंतर्गत सरगुजा जिले के 456 शासकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं को 30 दिवस का आत्मरक्षा प्रशिक्षण नवम्बर 2024 से जनवरी 2025 तक के मध्य प्रदान किया जाना है। बालिकाओं को आत्मरक्षा हेतु जुडो, कराटे, ताईक्वांडों, किक बॉक्सिग, मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिये जाने के लिए सरगुजा जिले के पंजीकृत प्रशिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने इच्छुक पंजीकृत प्रशिक्षकों से 06 दिसम्बर 2024 तक अपना आवेदन निर्धारित प्रारूप में जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा (प्रारम्भिक) कक्ष क्रमांक 64, द्वितीय तल, कम्पोजिट बिल्डिंग, कलेक्टरेट परिसर, अम्बिकापुर में कार्यालयीन समय पर जमा करने कहा है। आवेदन का प्रारूप एवं निर्देश व अन्य जानकारी जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा (प्रारम्भिक), से प्राप्त कर सकते है। प्रशिक्षकों में सर्वप्रथम महिला प्रशिक्षकों को प्राथमिकता दी जावेगी। उसके पश्चात आवश्यकतानुसार पुरुष प्रशिक्षकों को अवसर दिया जावेगा। प्रशिक्षण राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देश के अनुसार ही संचालित करना होगा। निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

शासकीय नवीन महाविद्यालय प्राचार्य के कार्य प्रणाली पर उठे सवाल

एनएसयूआई ने बलरामपुर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप की कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। शासकीय नवीन महाविद्यालय के प्राचार्य एन. के. देवांगन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करते हुए एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष रुपेश यादव के नेतृत्व में एक ज्ञापन बलरामपुर कलेक्टर के नाम सौंपते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है, कार्रवाई नहीं करने के उपरांत सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर इसका पुरजोर विरोध की करेंगे।

बलरामपुर कलेक्टर के नाम सौंप गए ज्ञापन में कहां गया है कि शासकीय नवीन महाविद्यालय के प्रचार एन. के. देवांगन 19 नवंबर को आयोजित ऑडिटोरियम भवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर गले में भगवा गमछा पहने हुए शिरकत कर रहे थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहां की आखिर भारतीय विद्यार्थी परिषद सबसे अच्छा संगठन है। और उन्होंने कहा कि छात्रों के अधिकारों के लिए सदा संघर्ष करती हैं। उनके द्वारा आप लोगों को अवसर प्रदान कर किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आप लोग कार्यक्रम के दौरान जो गीत को सुना है उसी में सारा मूल उद्देश्य छुपा हुआ है उसी के आधार पर आगे की रणनीति को तय करना है। इसी बात का विरोध करते हुए एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष रूपेश यादव , ब्लाक अध्यक्ष जीत गुप्ता, नगर अध्यक्ष राजा साहू, हबीबुल्लाह अंसारी, अवधेश यादव, हामिद अंसारी, रोशन मिंज, आयुष खलखो के द्वारा बलरामपुर कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर शशि चौधरी को ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की गई है यदि जिला प्रशासन के द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है तो सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की भी बात कही गई है। उक्त संबंध में जिला अध्यक्ष रुपेश यादव ने कहा कि एक शासकीय सेवक को इस तरह का बयान बाजी करने से छात्राओं के बीच मतभेद पैदा हो सकता है? जब की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हिंदू राष्ट्रवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध रखता हैं और एक दक्षिणपंथी और स्वतंत्र अखिल भारतीय छात्र संगठन है। अब उक्त संबंध में जिला प्रशासन को यह तय करना होगा कि शासकीय सेवक अपने मूल उद्देश्य से भटक कर किसी संगठन का प्रचार प्रसार कर रहे हैं उन पर क्या कार्रवाई होनी चाहिए अब यह जिला प्रशासन को तय करना है जांच के समय उनके द्वारा बोले गए ऑडियो वीडियो सब उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि जिला प्रशासन को कार्रवाई करने में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कतें न आए।

विकासखण्ड स्तरीय बालिका एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता का 30 नवम्बर को होगा आयोजन

खिलाड़ी 28 नवम्बर तक कर सकते हैं पंजीयन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर / खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि बालिकाओं और महिलाओं में खेल के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से विकासखण्ड स्तरीय बालिका एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता वर्ष 2024-25 का आयोजन जिला मुख्यालय अम्बिकापुर में किया जाना है। प्रतियोगिता में 09 से 18 आयु वर्ग बालिका एवं 18 से 35 वर्ष तक की महिला खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता शासकीय राजीव गांधी पीजी कॉलेज अम्बिकापुर के खेल मैदान में 30 नवम्बर को प्रातः 09:00 बजे आयोजित की गई है। उन्होंने बताया कि खेल प्रतियोगिता में एथलेटिक्स 100 मी., 400 मी., तवा फेंक, खो-खो, हॉकी, बैडमिंटन सिंगल 01 एवं डबल्स 01, बास्केटबॉल, फुटबॉल, रस्साकसी, व्हालीबॉल प्रतियोगिता होगी। वहीं वेटलिफिटंग आयु वर्ग 09-18 तक 40 एवं 45 कि.ग्रा. श्रेणी, 18-35 वर्ष 45 एवं 49 कि.ग्रा. श्रेणी, कुश्ती आयु वर्ग 09-18 तक 50 एवं 53 कि.ग्रा. श्रेणी, 18-35 वर्ष 50 एवं 53 कि.ग्रा. श्रेणी खेलों को शामिल किया गया है। विकासखण्ड पर चयनित खिलाड़ी अगले दौर के जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। उन्होंने विकासखण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु विकासखण्ड के विद्यालय या महाविद्यालय के अध्ययनरत एवं बिना अध्ययनरत बालिका एवं महिला खिलाड़ियों से अपील किया है कि अपना पंजीयन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यालय में 28 नवम्बर 2024 तक कार्यालयीन समय में करा सकते हैं।

सम्पादकीय

शहर के आगोश में गांव

शहरीकरण के नक्शे पर हिमाचल ने नए सफर की शुरूआत करते हुए कुछ पंचायतों को नगर पंचायत, नगर पंचायतों को नगर परिषद और नगर परिषदों को नगर निगम का दर्जा दे दिया है। इस तरह संधोल, धर्मपुर, बड़सर, भोरंज और बंगाणा अब ग्रामीण इलाके नहीं रहे, जबकि नादौन और ज्वाली पूरी तरह अपनी व्यवस्था में शहरी हो गए। नगर निकायों के नए दर्पण में बद्दी, हमीरपुर और ऊना अब निगम की परिपाटी में कई गांवों को शहरी आगोश में लेंगे। गांवों पर शहरों की तख्तियां कोई सरहद नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार का तखल्लुस है। अपनी आर्थिक संरचना, जीवन शैली, रोजगार प्राथमिकता व सामाजिक सुरक्षा के कारण हिमाचल के नागरिक पूरी तरह शहर के व्यवहार में गांव में रह रहे हैं। शहर पूरी तरह जीवन में रच-बस गया है, लेकिन कर अदायगी के आचरण में हिमाचली परिदृश्य खुद को अनछुआ घोषित करता रहा। यह तो राष्ट्रीय नीतियां व केंद्रीय योजनाओं में वित्त पोषण की वजह है जो अब बड़े ही कसीदे से कुछ गांवों के गले में शहरी मंगलसूत्र डाला जा रहा है, वरना आधी सदी से यहां अमल में लाया गया ग्राम एवं नगर योजना कानून इस तरह असहाय न होता। शहरीकरण को सही मायने में अंगीकार करने में कहीं न कहीं हिमाचल ने काफी वक्त खोया है, वरना हमारी दृश्यावलियां व खेत बिगड ? से पहले बच गए होते। हम पहाड़ की भौगोलिक परिस्थिति को शहरीकरण के अनुकूल मानते ही नहीं रहे, वरना आधुनिकता के बोझ में पहाड़ यूं ही नहीं काटे जाते। आधुनिक हिमाचल में विस्थापन के कारण कुछ मायने में बिलासपुर को नए शहर में बसाया गया या औद्योगिक खोज ने परवाणू की पैमाइश में नया नगर बना दिया, वरना बीबीएन की आर्थिकी में शहरीकरण आज तक उपेक्षित है।

लिबास में प्रदेश का सबसे बड़ा शहरी कस्बा बीबीएन अगर आवासीय व अन्य सुविधाओं में शहरी होता, तो औद्योगिक आर्थिकी से हिमाचल के हिस्से में भी पंचकूला या मोहाली सरीखा एक व्यवस्थित शहर होता। आज बीबीएन की शहरी क्षमता रोज रात को चंडीगढ़ के आसपास निकल जाती है। इस नुकसान का आकलन केवल वित्तीय नहीं, बल्कि सामूहिक निष्कासन से हमने शहरीकरण से जुड़ा अपना रुतबा खो दिया। खैर अब बद्दी को नगर निगम की तरजीह में सजाने-संवारने का अवसर मिल रहा है, तो हमीरपुर व ऊना अपने भीतर शहरी क्षमता का विस्तार व आर्थिक उजास पैदा कर रहे हैं। इस तरह हिमाचल में आठ नगर निगम स्थापित हो रहे हैं। अब सवाल यह कि नगर निगमों की व्यवस्था के तहत शहर और गांव के बीच नागरिक तहजीब में कितना अंतर आता है। करीब नौ साल पहले नगर निगम बने धर्मशाला शहर में आए परिवर्तन अगर मानक हैं, तो हकीकत यह है कि सम्मिलित क्षेत्र अभी भी एक पांव गांव और दूसरा शहर में रखे हुए हैं। न तो शामिल किए गए क्षेत्र पूरी तरह शहरी बन पाए और न ही यहां से आय के साधन बढ़े। आश्चर्य यह कि हिमाचल में आजादी से पूर्व सैन्य छावनी का दर्जा हासिल योल कैंप जब से आजाद हुआ है, इसकी ख्वाहिश में ग्रामीण पंचायतों का चयन बढ़ रहा है, जबकि यहां दशकों की शहरी व्यवस्था को नए इंतजाम के तहत धर्मशाला नगर निगम से जोड़ देना चाहिए। हिमाचल की शहरी मानसिकता ने पूरे प्रदेश की सडकों के किनारे, नदी-नालों के तट और पहाड इसलिए लील दिए हैं, ताकि कहीं बस्तियां और कहीं व्यापारिक प्रतिष्ठान स्थापित हो सकें। ऐसे में पूरे प्रदेश के नियोजन की जरूरत को देखते हुए टीसीपी कानून को अमल में लाना होगा। इसके लिए पूरे प्रदेश को दस-बारह सेक्टरों में बांट कर कई शहरी विकास प्राधिकरण स्थापित करते हुए, शहरी व ग्रामीण निकायों में सामंजस्य पैदा करना होगा।

महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। साथ ही, उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभाओं तथा मध्यप्रदेश की दो सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम भी घोषित हुए हैं। महाराष्ट्र और झारखंड में जहां सत्ताएं बरकरार रहीं, वहीं उप्र में सात सीटों पर भाजपा और दो पर सपा जीती है। इसके विपरीत, मप्र की विधानसभा सीट विजयपुर के उपचुनाव में मतदाताओं ने सत्तासीन भाजपा को नकार दिया, जबकि बुधनी सीट पर विजय दिलाई है। बीजेपी का जादू झारखंड में नहीं चल पाया। घुसपैठ और ईसाईकरण के मुद्दे भी वहां काम नहीं आए। भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे हेमंत सोरेन ने वहां बड़ी जीत हासिल की है। महाराष्ट्र, भारत का छठा ऐसा राज्य बन गया है, जहां बीजेपी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। महाराष्ट्र के जनादेश ने महायुति गठबंधन के भीतर भाजपा को मजबूती दी है और ये जनादेश देवेंद्र फडणवीस के पुनः मुख्यमंत्री बनने की संभावना जता रहा है। वहीं, कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) तथा राकांपा (शरद पवार) के लिए चुनाव परिणाम आत्मचिंतन का विषय बन गया है। कुल मिलाकर नतीजों ने दिखा दिया है कि विधानसभा के चुनाव जीतने के लिए केंद्रीय नेतृत्व ही काफी नहीं है बल्कि स्थानीय लीडरशिप भी अहम है। इन तमाम पहलुओं पर रोशनी डालता आजकल का यह अंक...

विचारों की लड़ाई में विजय का जनादेश

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

> **महाराष्ट्र परिणाम बताते हैं कि भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव परिणामों को पीछे छोड़कर अपने मुद्दों के आधार पर जबरदस्त बढ़त बनाई है। महाविकास अघाड़ी ने भी इसे विचारधारा की लड़ाई घोषित किया था। वह लोकसभा चुनाव का परिणाम का विश्लेषण करने में चूकी और मान लिया कि यह भाजपा और संघ की विचारधारा तथा प्रदेश सरकार और केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध जनादेश है जो जारी रहेगा। विधानसभा चुनाव परिणामों ने इस मान्यता को ध्वस्त किया है। महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है।**

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव परिणामों को एक साथ मिलाकर लोकसभा चुनाव परिणामों से तुलना कर सकते हैं और अलग-अलग विश्लेषण भी। महाराष्ट्र परिणाम बताते हैं कि भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव परिणामों को पीछे छोड़कर अपने मुद्दों के आधार पर जबरदस्त बढ़त बनाई है। महाविकास अघाड़ी ने भी इसे विचारधारा की लड़ाई घोषित किया था। वह लोकसभा चुनाव का परिणाम का विश्लेषण करने में चूकी और मान लिया कि यह भाजपा और संघ की विचारधारा तथा प्रदेश सरकार और केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध जनादेश है जो जारी रहेगा। विधानसभा चुनाव परिणामों ने इस मान्यता को ध्वस्त किया है। महाराष्ट्र का परिणाम असाधारण है। भाजपा के नेतृत्व में महायुती की एकपक्षीय विजय है और भाजपा ने अपने इतिहास में सबसे ज्यादा सीटें पाईं। तो ऐसा परिणाम क्यों आया तथा झारखंड एवं महाराष्ट्र में अंतर क्यों है? महाराष्ट्र के मतदाताओं ने जब 1995 के बाद रिकॉर्ड संख्या में पिछले चुनाव से 4 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया तभी लग गया था कि यह लोकसभा चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए नहीं है। मुंबई सिटी की 10 सीटों पर 52.65 प्रतिशत और उपनगर की 26 पर 56.39 प्रतिशत मतदान हुआ। महिलाओं के मतदान का आंकड़ा भी महत्वपूर्ण रहा। कुल 9.7 करोड़ मतदाताओं में 5.22 करोड़ पुरुष और 4.69 करोड़ महिलायें थीं। इनमें 3 करोड़ 34 लाख 37 हजार 57 पुरुष तथा 3 करोड़ 6 लाख 49 हजार 318 महिला और 1 हजार 820 ने मतदान किया। पुरुषों की तुलना में केवल 28 लाख कम महिला मतदाताओं ने मतदान किया जबकि दोनों के बीच अंतर करीब 53 लाख था।

धन स्थानांतरित करना बड़ा कारण

कह सकते हैं कि महाराष्ट्र में महिलाओं के खाते में एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा धन स्थानांतरित करना बड़ा कारण था। इससे हम इनकार नहीं कर सकते क्योंकि झारखंड में भी मैया सम्मान योजना ने भूमिका निभाई। लेकिन महाराष्ट्र में दोनों पक्षों के बीच लगभग 16% मतों का अंतर केवल महिला मतदाताओं के कारण नहीं आ सकता। लोकसभा चुनाव से तुलना करें तो साफ है कि दोनों पक्षों के बीच का वातावरण आमूल रूप से बदल चुका है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में बहुमत से वंचित रहने के बाद तुरंत अपना पुराना तेवर हासिल करने की दिशा में तत्परता दिखाई। संघ नेतृत्व ने अपनी बातें उन तक पहुंचाई तथा लोकसभा चुनाव में अध्यक्ष जेपी नड्डा के भाजपा को संघ की पहले की तरह आवश्यकता नहीं जैसे बयानों से पैदा हुआ असमंजस समाप्त हुआ। लोकसभा में वक्फ कानून संशोधन विधेयक लाया और पूरे देश के साथ महाराष्ट्र में भी विचारधारा के आधार पर स्पष्ट विभाजन पैदा हुआ। महत्वपूर्ण मुद्दे हिंदुत्व, हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्रीयता तथा

इस्लामिक कट्टरवाद- इन पर सभी भाजपा शिवसेना नेता बेहिचक प्रखर और आक्रामक होकर बोलते रहे। इनसे जुड़े मुद्दे उठाते रहे, विपक्ष को हिंदुत्व विरोधी, देश के हित के विरोध में काम करने वाला घोषित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, देवेंद्र फडणवीस आदि सभी प्रमुख नेताओं ने मजहबी कट्टरता, हिंदुत्व तथा विपक्ष के कट्टर मजहबवाद को प्रोत्साहित करने की नीति को मुख्य मुद्दा बनाया और पूरा वातावरण ऐसा था जिसमें मतदाताओं ने स्वीकार किया। टीवी चैनल पर ऐसे मतदाता सामने आए जो बोल रहे थे कि जिस तरह एक समुदाय किसी पार्टी को हराने के लिए काम कर रहा है उसे देखकर हम मतदान करने बाहर निकले।

वक्फ कानून संशोधन विधेयक बड़ा मुद्दा

महाराष्ट्र में मुस्लिम संगठनों और नेताओं के बीच महाविकास अघाड़ी को समर्थन देने की होड़ लगी हुई थी। ऐसी बैठकों के वीडियो सामने आए जिनमें मजहबी नेता, इमाम, मौलवी कह रहे हैं कि हमने लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी के पक्ष में फतवा जारी किया और विजय मिली, हम इस बार भी जारी कर रहे हैं। मुस्लिम नेता भाजपा, शिवसेना या महायुती को वोट देने वालों का हुक्का पानी बंद करने की सरेआम बात कर रहे थे। वक्फ कानून संशोधन विधेयक भी महाराष्ट्र में मुस्लिम संगठनों के अतिवादी विरोध के कारण बहुत बड़ा मुद्दा बन गया था। कांग्रेस, शिवसेना उद्धव ठाकरे तथा राकांपा - शरद पवार तीनों ने मुस्लिम वोट पाने के लिए इनको रोकने की जगह प्रोत्साहित किया। भाजपा शिवसेना समर्थकों में से जिनमें कई कारणों से लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं किया या विरोध में चले गए या महा विकास अघाड़ी के पक्ष में मतदान करने वाले गैर प्रतिबद्ध मतदाताओं को भी लगा कि हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन के लिए भाजपा और शिवसेना ही है। हरियाणा से यह प्रवृत्ति हमने देखी।

भाजपा नेताओं के नारों का असर

योगी आदित्यनाथ का बटेंगे तो कटेंगे, प्रधानमंत्री का बटेंगे तो विरोधी महफिल सजाएंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे नारे स्वाभाविक में लोगों के दिलों तक पहुंचे। जब देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारे विरुद्ध वोट जिहाद है और इसे वोट के धर्मयुद्ध से हरायेंगे तो भले इसकी आलोचना हुई लेकिन लोगों के अंतरतम में यह भाव था। लोकसभा चुनाव में भाजपा, शिवसेना और राकांपा -अजीत पवार से असंतुष्ट लोगों की महाविकास अघाड़ी को 31 सीटों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका थी। बाबासाहेब आंबेडकर का संविधान खत्म हो जाएगा, आरक्षण खत्म हो जाएगा, यह झूठा नैरेटिव दलितों, आदिवासियों और पिछड़ी जातियों के एक समूह तक पहुंचा था। हरियाणा में देखा गया कि दलित और पिछड़े पहले की तरह इस नैरेटिव को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे। इस स्पष्ट दिखती प्रवृत्ति के बावजूद कांग्रेस और शिवसेना-उद्धव सबसे ज्यादा जोर इसी मुद्दे पर देती रही,

मुफ्त की रेवड़ियों से सरकारों की हुई वापसी

दो टूक

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार और पत्रकार

देश के मतदाता लगता है, मुफ्त की रेवड़ियों के लालच में मतदान करने लगे हैं। इसी का परिणाम है कि महाराष्ट्र और झारखंड में सत्ताएं बरकरार रही हैं। 288 विधानसभा सीटों वाले राज्य महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन वाले महायुति ने विधानसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, झारखंड में इंडिया गठबंधन ने 55 सीटें जीतकर भाजपा को बहुत पीछे धकेल दिया है। उत्तर प्रदेश में हुए 9 सीटों पर उपचुनाव में भाजपा ने 7 सीटों पर जीत हासिल करके जता दिया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को जनता सम्मान के साथ स्वीकार रही है। लेकिन भाजपा को मध्यप्रदेश में बड़ा झटका लगा है। विधानसभा विजयपुर में दल-बदलकर आए भाजपा प्रत्याशी और राज्य सरकार में वन मंत्री रामनिवास रावत को मतदाताओं ने नकार दिया है। अन्य राज्यों में हुए उपचुनावों में भी भाजपा का अच्छा प्रदर्शन देखने में आया है। उप्र के बाद महाराष्ट्र विधानसभा सीटों के लिहाज से सबसे बड़ा राज्य है।

महाराष्ट्र में कौन बनेगा मुख्यमंत्री

पिछले तीन दशक में यहां किसी भी एक दल को स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाने का मौका नहीं मिला है। अतएव गठबंधन सरकारें ही सरकार चलाती रही हैं। इसी कारण यहां सरकारें गिराने के लिए विधायकों की तोड़-फोड़ भी देखने में आती रही हैं। शिवसेना से टूटकर भाजपा में शामिल हुए एकनाथ शिंदे भाजपा के दम पर मुख्यमंत्री बन गए थे। उन्हीं के मुख्यमंत्री रहते हुए अपने चाचा शरद पवार को झटका देकर अजीत पवार ने एनसीपी (अजीत पवार) बनाई और वे महायुति का हिस्सा बन भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना का हिस्सा बन गए। अब यही महायुति नई सरकार बनाएगी। मुख्यमंत्री कौन होगा, यह देखने वाली बात होगी। दूसरी तरफ शरद पवार के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी पार्टी थी, जो कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के साथ चुनाव लड़ी। लेकिन महायुति से करारी हार का सामना करना पड़ा। यहां चुनाव इन्हीं दोनों गठबंधनों के बीच था। हालांकि भाजपा 125 से ऊपर सीटें जीतकर विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी होगी। चूंकि सबसे ज्यादा सीटें भाजपा की हैं, इसलिए एकनाथ शिंदे और अजीत पवार में से कोई मोलभाव करके मुख्यमंत्री बन जाए, ऐसा लगता नहीं है। अतएव लगता है एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री का पद देवेंद्र फडणवीस के लिए छोड़ना होगा। इधर बड़ा झटका उद्धव ठाकरे को लगा है। वे अपने पिता बाल ठाकरे की विरासत को बचाने में असफल रहे। महाविकास अघाड़ी को जीत की इसलिए उम्मीद थी कि क्योंकि इस गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 48 में से 30 सीटें जीत ली थीं। परिणाम से यह तय हो ही गया है कि महाविकास अघाड़ी की आशाओं पर पानी फिर गया है। इससे पहले एग्जिट पोल ने भी जता दिया था कि उसका जीतना मुश्किल है। शरद पवार अब महाराष्ट्र के ताकतवर मराठा नहीं रह गए हैं। अपने रिश्तेदारों और भरोसेमंदों का धोखा खाने के बाद 26 साल पहले उनके द्वारा स्थापित राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी अब हाशिए पर है। मूलतः कांग्रेसी और पसंद से वंशवादी पवार इस उम्मीद में प्रभावी

उत्तराधिकारी तैयार नहीं कर पाए कि कहीं उनकी बेटी सुप्रिया सुले पिछड़ न जाए ? उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका इसलिए लगा है, क्योंकि वे अपने पिता बाल ठाकरे की तरह प्रखर हिंदुत्व की छवि को बरकरार रखने में असफल रहे। वे और उनके पुत्र आदित्य ठाकरे उन फतवों को भी नहीं नकार पाए, जिनमें कहा गया था कि भाजपा को वोट देने वालों का हुक्का-पानी बंद कर देंगे। एक मौलवी ने तो यहां तक कह दिया कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना अब बाल ठाकरे की शिवसेना नहीं रही है। मतलब उसमें इतने बदलाव हो गए हैं कि वह मुल्ले-मौलवियों की पार्टी बन गई है।

भाजपा के पास नहीं था बड़ा चेहरा

उधर, योगी आदित्यनाथ के नारे 'बटेंगे तो कटेंगे' ने मौलवियों को उत्तर देकर मतदाताओं का मत हासिल कर लिया। उद्धव अपनी हिंदुत्व की छवि को भविष्य में बहाल कर पाएंगे ऐसा अब लगता नहीं है। झारखंड में हेमंत सोरेन का जेल जाना भाजपा को महंगा पड़ा है। यहां घुसपैठ और ईसाईकरण के मुद्दे भी काम नहीं आए। दरअसल भाजपा के पास कोई ऐसा बड़ा चेहरा नहीं था, जो वहां के आदिवासियों को लुभा सके? भाजपा गठबंधन को उम्मीद थी कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का आदिवासी होना, भाजपा के लिए वोट बटोर लेगा, किंतु धरातल पर ऐसा दिखाई नहीं दिया। सत्ताधारी दल की जनगणना पत्रक में अलग से धर्म का कॉलम बनाने की मांग ने हिंदुत्व के मुद्दे को फीका करने का काम किया है।

फीका पड़ा घुसपैठ का मुद्दा

शिवराज सिंह चौहान को झारखंड का चुनाव प्रभारी बनाया गया। वे जितना कर सकते थे, उतना किया भी। लेकिन परिणाम शून्य रहा। दरअसल भाजपा ने यहां बांग्लादेशी मुस्लिमों की घुसपैठ के चलते सीमावर्ती जिलों में सांख्यिकीय घनत्व बिगड़ने की बात उठाई, परंतु यह मुद्दा समूचे झारखंड का मुद्दा नहीं बन पाया। दरअसल संथाल और उसके निकट के जिलों में घुसपैठ का प्रभाव है। परंतु उसका असर पूरे झारखंड में दिखाई नहीं देता। इसलिए भाजपा की हिंदुत्व और घुसपैठ के मुद्दे मतदाता में गहरी पैठ नहीं बना पाए। सोनिया गांधी पुत्रमोह के चलते पुत्री प्रियंका वाड्रा को उम्मीदवार बनाने से बचती रही हैं। लेकिन अब 52 वर्ष की प्रियंका को वायनाड के उपचुनाव में उतारा गया। यह सीट राहुल गांधी ने जीती थी, जो उन्हें खाली करनी पड़ी। क्योंकि वे रायबरेली से भी चुनाव लड़े और जीते थे। अतएव उन्हें एक सीट से इस्तीफा देना पड़ा। प्रियंका ने यह पहला चुनाव 4 लाख से भी ज्यादा मतों से जीत लिया। अब एक ही परिवार के 3 सदस्य संसद में होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वंशवादी राजनीति के मुखर विरोधी रहे हैं। लेकिन प्रियंका ने जीत हासिल करके परिवारवादी राजनीति को कांग्रेस में मजबूत कर दिया है। मध्यप्रदेश में रामनिवास रावत लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस विधायक रहते हुए भाजपा में शामिल हुए थे। उन्हें विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर रावत के विधायक रहते हुए भाजपा में इसलिए लाए थे, जिससे मुरैना लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार शिवमंगल सिंह तोमर चुनाव जीत जाएं। तोमर तो चुनाव जीत गए थे, लेकिन स्वयं के लाभ के लिए दल-बदल करने वाले नेता को मतदाताओं ने चारों खाने चित्त कर दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी रावत की हार बड़ा झटका है। उनके कार्यकाल में यह पहला उपचुनाव था, जिसमें शासन-प्रशासन की पूरी ताकत लगाने के बाद भी हार का मुंह देखना पड़ा। बुधनी सीट भी भाजपा इसलिए जीत पाई, क्योंकि वहां गृहनगर होने के कारण पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की साख का सवाल था। मतदाता ने उनकी लाज रखी और बाहरी प्रत्याशी होने के बावजूद रमाशंकर भार्गव को चुनाव जिता दिया। बहरहाल भाजपा ने एक बार फिर जता दिया है कि मतदाता में उसकी पैठ बनी रहेगी।

महाराष्ट्र में जीत के बड़े मायने

कूटनीति

रवि शंकर

वरिष्ठ स्तंभकार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जीत की हैट्रिक लगाई है। महायुति ने महाराष्ट्र की सत्ता में बैठने के लिए बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया है। वहीं, महा विकास अघाड़ी यानी एमवीए को इस चुनाव में बहुत बड़ा झटका लगा है। इस चुनाव में शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं महाविकास अघाड़ी में शरद पवार गुट सबसे कमजोर साबित हुआ है। चुनाव नतीजे बता रहे हैं कि एकनाथ शिंदे असली शिवसेना साबित हुए हैं और शरद पवार की विरासत अब अजित पवार आगे ले जाएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी पार्टियां या विरोधी दलों के नैरेटिव को बीजेपी ने धराशायी कर दिया है, जो लगातार ये दावे कर रहे थे कि 2024 के चुनाव के बाद मोदी मैजिक कमजोर पड़ गया है। इन अटकलों पर अब विराम लगेगा। दरअसल, महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव में बीजेपी को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी।

बीजेपी का बेहतर प्रदर्शन

भले ही झारखंड में बीजेपी का जादू नहीं चल पाया। लेकिन महाराष्ट्र में बीजेपी ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं महाविकास अघाड़ी को शायद ही ऐसे परिणाम की उम्मीद होगी। महाराष्ट्र के चुनावी नतीजे को देखें तो महाविकास अघाड़ी पूरी तरह से धूल फांकती दिखाई दी। विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी के बयान अलग विवाद पैदा करते रहे।

उन्होंने पूंजीपतियों, उद्योगपतियों के खिलाफ बयान दिए, आबादी की तुलना में हिस्सेदारी की बात कही। दूसरी तरफ उनके ऐसे बयानों का सहारा लेकर बीजेपी कांग्रेस को हिंदू विरोधी पार्टी साबित करती रही। आरक्षण बढ़ाने, जातियों की गणना करने जैसी बातें कहकर राहुल गांधी कांग्रेस को नुकसान पहुंचा दिया।

गलती पर तेजी से डैमेज कंट्रोल

दूसरी तरफ पीएम मोदी जाति जनगणना से अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग को आरक्षण में होने वाला नुकसान के बारे में समझाने में सफल हुए। वास्तव में बीजेपी हर पल पर बारीकी से नजर रखती है और हर पल अपनी रणनीति को अपडेट करती रही और वे विपक्ष को पूरे चुनाव के दौरान कोई भी मौका नहीं दिया। साथ ही, अपने हर गलत कदम पर तेजी से डैमेज कंट्रोल करती रही और विपक्ष की छोटी से छोटी गलती को जोर शोर से प्रचारित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। महाराष्ट्र और झारखंड के नतीजों ने फिर दिखाया है कि विधानसभा के चुनाव जीतने के लिए केंद्रीय नेतृत्व ही काफी नहीं है बल्कि लोकल लीडरशिप भी अहम है। बीजेपी ने महाराष्ट्र में प्रचार के दौरान पीएम मोदी के बजाय पार्टी के स्थानीय चेहरों को आगे रखकर चुनावी मैदान में बढ़ी।

स्थानीय नेताओं को महत्व

पीएम मोदी ने सभाएं जरूर की लेकिन लोकसभा चुनाव की तरह उन्होंने सघन प्रचार सभाएं नहीं कीं। शायद ऐसा इसलिए किया गया ताकि पार्टी के

स्थानीय नेताओं को पर्याप्त महत्व मिल सके और आमजन में उनके प्रति विश्वास भी बढ़ सके। इतना ही नहीं, एनडीए के प्रचार में आरएसएस ने भी अहम भूमिका निभाई। संघ ने जमीन जिहाद, लव जिहाद, धर्मांतरण, पत्थरबाजी, दंगे-फसाद जैसे मुद्दों को लेकर खास तौर पर महाराष्ट्र में बीजेपी को बड़ा सहयोग दिया।

खास नारों से मतदाता पर असर

आरएसएस ने बहुत ही अनुशासित तरीके से संदेशों का प्रसार किया। वहीं बीजेपी ने महाराष्ट्र हो या झारखंड या फिर उत्तर प्रदेश का विधानसभा उपचुनाव, तीनों जगह अपने खास नारों से मतदाता पर असर डाला। बीजेपी ने नारे दिए 'बंटोगे तो कटोगे और 'एक हैं तो सेफ हैं'.. यह वे नारे हैं जो वोटों के ध्रुवीकरण में कारगर रहे। इसके अलावा महायुति सरकार ने चुनाव के दौरान कई बड़े ऐलान किए। चाहे वो लड़की बहिन योजना हो या युवाओं को भत्ता देने की योजना। इसका भी लाभ उनको इस चुनाव में मिला है। साथ ही मुख्यमंत्री के तौर पर एकनाथ शिंदे के कार्यकाल पर लोगों ने भरोसा जताया। महाराष्ट्र के लोगों ने इस चुनावी संदेश से जता दिया कि असली शिवसेना के हकदार वही हैं। दूसरा, एक मजबूत मराठा क्षत्रप के रूप में लोगों ने उन पर मुहर लगाई है। वहीं विपक्ष के पास ऐसा कोई नारा नहीं था जो आम लोगों पर गहरे तक असर जमा सके। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति ने जीत के साथ ही एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है।

लगातार तीसरी बार जीत

महाराष्ट्र, भारत का छठा ऐसा राज्य बन गया है, जहां बीजेपी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा और मध्य प्रदेश ऐसे राज्य रहे हैं जहां बीजेपी लगातार तीन चुनाव जीतकर सत्ता में काबिज हुई है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो कांग्रेस और शरद पवार के लिए ये चुनाव बेहद निराशाजनक रहा है। कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (यूबीटी) का ये अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है।

गौरतलब है कि मई में हुए लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी ने कुल 48 सीटों में से 30 सीटें जीती थीं और महायुति को 17 सीटों पर ही कामयाबी मिली थी। महाराष्ट्र में बीजेपी लोकसभा चुनाव में 28 सीटों पर चुनाव लड़ी थी लेकिन नौ सीटों पर ही कामयाबी मिली थी. वहीं कांग्रेस ने 17 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और 13 सीटों पर कामयाबी मिली थी। लेकिन विधानसभा चुनाव में संकेत बिल्कुल अलग दिख रहे हैं। महाराष्ट्र में बीजेपी की जीत से हिन्दुत्व की राजनीति पर बाल ठाकरे के परिवार की दावेदारी कमज़ोर होगी यानी महाराष्ट्र में हिन्दुत्व की राजनीति पर शिव सेना से वैसी प्रतिद्वंद्विता नहीं मिलेगी। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी मानी जाती है और जिसकी वहां सरकार बनेगी, उसका आर्थिक राजधानी पर कंट्रोल होगा। राज्य में कांग्रेस की हार लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा के अलावा यह दूसरी सबसे बड़ी हार होगी।

गठबंधन में भाजपा को मजबूती

बहरहाल, ये परिणाम बीजेपी के लिए उत्साहवर्धक हैं, जिसने पिछले महीने हरियाणा में अभूतपूर्व तीसरी बार जीत हासिल की थी। आम चुनाव के दौरान राज्य में खराब प्रदर्शन के बाद इन परिणामों से पार्टी का उत्साह बढ़ेगा। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 240 सीट पर जीत मिली थी। महाराष्ट्र के जनादेश ने महायुति गठबंधन के भीतर भाजपा को मजबूती दी है और ये जनादेश देवेंद्र फडणवीस के पुनः मुख्यमंत्री बनने की संभावना को खोलता है। साथ ही ये परिणाम कांग्रेस और मराठा नेता शरद पवार के लिए आत्मचिंतन का विषय है।

सोशल मीडिया की दुनिया बाहरी तौर पर तो बहुत चमकदार दिखती है। उसके जरिए हमारे सैकड़ों-हजारों दोस्त भी बन जाते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि इसमें सक्रिय-खुशहाल दिखने वाले लोग अपने वास्तविक जीवन में बहुत अकेलापन महसूस करते हैं। पूरी दुनिया में कराए गए सर्वे से यह साबित होता है। इसकी वजहों को जानकर ही हम अपने जीवन से अकेलेपन को दूर कर सकते हैं।

सोशल मीडिया की भीड़ में बढ़ता जा रहा अकेलापन

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

गीतकार साहिर लुधियानवी का फिल्म 'बहू-बेटी' के लिए लिखा एक गीत है- सबमें शामिल हो मगर सबसे जुदा लगती हो/सिर्फ हमसे ही नहीं खुद से भी जुदा लगती हो।

कुछ ऐसी ही स्थिति सोशल मीडिया की इस भीड़ में लोगों का बढ़ता अकेलापन भी है। जी हां, सोशल मीडिया के इस दौर में भले कहने के लिए हम सबके पास आभासी दुनिया में दर्जनों या सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों दोस्त हों, लेकिन हकीकत यही है कि आज इंसान जितना अकेलेपन का शिकार है, अब तक के इतिहास में इससे ज्यादा कभी नहीं रहा। यह किसी एक व्यक्ति या लेखक का अनुभव भर नहीं है बल्कि दर्जनों ऐसे विस्तृत शोध हुए हैं, जो इस बात को साबित करते हैं कि जैसे-जैसे सोशल मीडिया की चकाचौंध, उसमें भीड़ बढ़ी है, वैसे-वैसे हकीकत में लोगों के बीच अकेलापन पसरता जा रहा है।

कॉन्फिडेंस में आती है कमी: साल 2020 में पोलोज वन जर्नल में भी एक अध्ययन इस संबंध में प्रकाशित हुआ, जिसमें पाया गया कि जिन युवाओं ने सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय बिताया, उनमें सामाजिक अलगाव और अकेलेपन की भावनाएं कहीं ज्यादा प्रबल थीं, बनिस्बत उन लोगों के जो सोशल मीडिया से दूर थे। यूनिसेफ की 2017 में आई एक रिपोर्ट ऐसा ही कुछ कहती है। इसके मुताबिक सोशल मीडिया और डिजिटल कनेक्टिविटी के बढ़ते उपयोग के साथ युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे अवसाद, चिंता और अकेलेपन में बढ़ोत्तरी हुई है, विशेषकर लड़कियों में, क्योंकि वे सोशल मीडिया में अधिक समय बिताती हैं। फेसबुक और इंस्टाग्राम के एक आतंरिक शोध में भी यह पाया गया है कि इंस्टाग्राम का उपयोग करने वाले कई युवा खास करके लड़कियां अपने जीवन और शरीर की तुलना दूसरे लोगों से करती हैं, जिस कारण उनमें जबर्दस्त असंतोष और आत्मसम्मान में बेहद कमी आ जाती है, जिस कारण अंततः वे अकेलेपन और अवसाद का शिकार होने लगती हैं। इस संबंध में इनकी आतंरिक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया था कि सोशल मीडिया खासकर इंस्टाग्राम ने इसमें शामिल 1/3 युवा लड़कियों के आत्मविश्वास को कम किया है।

इस संबंध में वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2020 भी इसी निष्कर्ष पर पहुंचती है और साल 2019 में ऑस्ट्रेलिया में हुआ ऐसा ही एक सर्वेक्षण बताता है कि 16 से 25 साल की उम्र के 50 प्रतिशत से ज्यादा युवक अकेलापन महसूस करते हैं, विशेषकर वे जो सोशल मीडिया में अत्यधिक सक्रिय हैं। कई और भी ऐसे अध्ययन हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो लोग सोशल मीडिया में जितना ज्यादा सक्रिय होते हैं, उनकी वास्तविक जिंदगी में उतना ही ज्यादा अकेलापन होता है।

बढ़ते अकेलेपन के कारण: सवाल है आखिर सोशल मीडिया ने लोगों के बीच इस कदर अकेलापन क्यों बढ़ाया है? वास्तव में इसके एक नहीं अनेक कारण हैं। मसलन, सोशल मीडिया के संबंध बेहद सतही स्तर के संबंध होते हैं, जिनका वास्तविक दुनिया से कुछ भी लेना-देना नहीं होता या फिर बहुत कम होता है। वास्तव में ये संबंध या दोस्ती 'लाइक', 'कमेंट' और 'शेयर' जैसी गतिविधियों तक ही सीमित रहते हैं। ऐसे संबंधों में लोग गहरे और भावनात्मक रिश्ते या रिश्तों की अनुभूति नहीं महसूसते।

आमतौर पर ये इंटरेक्शन बेहद तात्कालिक होते हैं। लोगों में भावनात्मक जुड़ाव बहुत कम होता है। भले हम सोशल मीडिया में घंटों सक्रिय रहें, लेकिन यह बात तो तय है कि सोशल मीडिया का संवाद वास्तविक संवाद नहीं होता। यहां लोग रटे रटाए संदेशों, इमोजी जैसे चिन्हों के जरिए ही संवाद करने की कोशिश करते हैं, जो कभी भी गहरे नहीं उतर पाते और ना ही कभी किसी को वास्तविक रूप से प्रभावित करते हैं, जिससे लोगों में व्यक्तिगत, गहरे और भावनात्मक संबंध विकसित नहीं होते। जिस कारण भले वे एक-दूसरे के साथ इंटरेक्ट करते हुए दिखते हों, लेकिन होते अकेले ही हैं। सोशल मीडिया में तुलना किए जाने का भी एक जबर्दस्त असुरक्षाबोध है। चूंकि यहां अधिकांश लोग अपनी जिंदगी का सकारात्मक और चमकदार पक्ष ही दिखाते हैं, सिर्फ अपनी छुट्टियों और अच्छे पलों को ही साझा करते हैं। यहां लोग अपनी परेशानियों और जीवन के कमतर पक्षों को सार्वजनिक नहीं करते, इस कारण उनसे दो-चार होने वाले लोगों को लगता है कि दूसरे के जीवन में तो सब कुछ अच्छा ही अच्छा है, लेकिन मेरे जीवन में इतना अच्छा सब कुछ नहीं है। इससे लोगों में एक खास तरह की असुरक्षा, अवसाद और अकेलेपन की भावना बढ़ती है। सोशल मीडिया में लगातार सक्रिय रहने वाले लोगों में 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' की समस्या भी देखी जाती है। लोगों को यहां दूसरों की प्रोफाइल देखकर लगता है कि उनके मुकाबले वे अपनी जिंदगी का कुछ महत्वपूर्ण मिस कर रहे हैं। इस भावना के हावी हो जाने के चलते लोगों में एक खास तरह का नीरसपन छाने लगता है, जो अंततः अकेलेपन की भावना को बढ़ाता है।

रहना चाहिए सजग: अकेलेपन की समस्याओं से बचने के लिए हमें डिजिटल इंटरेक्शन की सीमाओं का भी ध्यान रखना चाहिए। वास्तव में सोशल मीडिया में जब हम बहुत ज्यादा सक्रिय होते हैं, तो असल जिंदगी में लोगों से काफी ज्यादा कट जाते हैं। लोगों से आमने-सामने की बातचीत लगातार कम होते हुए कई बार बिल्कुल ही नहीं हो पाती। जिस कारण हम लोगों से वास्तविक जिंदगी में बिल्कुल ही रूबरू नहीं होते। जब हम किसी से वास्तविक जिंदगी से कट जाते हैं, तब हम उससे भावनात्मक रूप से भी कनेक्ट नहीं हो पाते। जिस कारण हमारे जीवन में एक ऐसा अकेलापन बढ़ता जाता है, जो भले बहुत मामूली शुरुआत के साथ आया हो, लेकिन हर गुजरते दिन के साथ वह बड़ा और मजबूत होता जाता है।

हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हम किसी से डिजिटल दुनिया में कितना ही नजदीक हो लें, लेकिन जब तक हम शारीरिक रूप से किसी से नजदीक नहीं होते, तो अपनेपन की वह फीलिंग नहीं आती, जो किसी के साथ आमने-सामने होने के बाद आती है। किसी को छूने, स्पर्श करने और उसके सामने बैठकर उसकी आंखों में आंखें डालकर देखने का जो सुख है, वह सुख तस्वीरें देखकर या की-बोर्ड से अच्छी-अच्छी बातें टाइप कर लेने भर से नहीं आता। इसलिए किसी के साथ दिल की गहराइयों वाले लगाव के लिए जरूरी है कि उसके साथ प्रत्यक्ष संबंध हों। जब सारे संबंध तस्वीरों के या डिजिटल के हों तो अंततः इनसे अकेलापन ही बढ़ता है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया के संबंधों में इतना आभासीपन है कि किसी से गहरा और भावनात्मक रिश्ता बनता ही नहीं, जिस कारण हम सोशल मीडिया की भीड़ में रहते हुए भी अकेले रहते हैं। *

क्या कहते हैं अकेलेपन से जुड़े सर्वे

साल 2018 और 2020 में अमेरिका में कराए गए सर्वे से सामने आया लोनलीनेस इंडेक्स बताता है कि लगभग 46 प्रतिशत लोग अपने आपको अकसर या ज्यादातर समय अकेला महसूस करते थे। इनमें से ज्यादातर वे लोग थे, जो सोशल मीडिया में अच्छे-खासे सक्रिय थे। लेकिन ऐसे लोग वास्तविक जीवन में काफी ज्यादा अकेलेपन का शिकार थे। इस सर्वे को अमेरिका की सिंगना नामक एक प्रमुख हेल्थ सर्विसेज कंपनी ने किया था। बाद में इसी सर्वे के पूरक के रूप में साल 2020 में भी एक सर्वे का परिणाम आया, जिसमें पता चला कि 'जेन जेड' यानी युवा वयस्कों के बीच सोशल मीडिया के उपयोग और अकेलेपन का एक गहरा संबंध है। 18 से 24 साल के 60 फीसदी से कहीं ज्यादा लोग अकेलेपन का शिकार पाए गए, जबकि दूसरी तरफ यही लोग सोशल मीडिया में काफी सक्रिय थे यानी, ज्यादा से ज्यादा समय बिताते थे। लेकिन उनके वास्तविक जीवन में गहरे रिश्तों की बेहद कमी थी। साल

2017 में एक ऐसा ही शोध वैश्विक दायरे को समेटकर हुआ। यह सर्वे अमेरिकन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन (2017) में प्रकाशित हुआ था, जिसमें कहा गया था कि जो लोग सोशल मीडिया पर दिन में कम से कम दो घंटे बिताते हैं, वे उन लोगों की तुलना में अकेलेपन का कहीं ज्यादा शिकार होते हैं, जो सोशल मीडिया में समय नहीं बिताते या बहुत कम बिताते हैं।

तमाम तरह के डिजिटल मीडियम में पल-पल बदलते सीन, इंफॉर्मेशन और वीडियो देखने का असर हम सबकी फोकसिंग कैपेसिटी को कम कर रहा है। चिंताजनक बात है कि इससे मिड और ओल्ड एज के ही नहीं यंग और टीनएजर्स भी प्रभावित हो रहे हैं। इसकी वजहों और बचाव के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

डिजिटल डिस्ट्रैक्शंस का प्रभाव टफ हो रहा फोकस्ड रहना

टेक्नोलाइफ

डॉ. मोनिका शर्मा

तकनीक से घिरती जा रही आज की जीवनशैली में मन का ठहराव ही नहीं, दिमाग की अटेंटिव पावर भी कम हुई है। कभी विचारों का घेरा तो कभी पल-पल सामने आते समाचार। फोकस्ड रहना मुश्किल हो रहा है। अब हर उम्र के लोगों का अटेंशन स्पैन यानी ध्यान केंद्रित करने का समय घट गया है।

क्या है अटेंशन स्पैन: असल में बिना विचलित हुए जितने समय तक एक इंसान किसी काम पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, उसे अटेंशन स्पैन कहा जाता है। ध्यान फोकस करने का यह वक्त उम्र, परिवेश और की जा रही एक्टिविटी आदि पर निर्भर करता है, हर इंसान का अटेंशन स्पैन अलग-अलग होता है। चिंतनीय है कि आज की लाइफस्टाइल में ध्यान केंद्रित की अवधि हर उम्र के लोगों में कम हो रही है।

हर गतिविधि पर असर: अटेंशन स्पैन का कम होना जीवन से जुड़ी हर गतिविधि पर असर डालता है। पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल जिम्मेदारियां, हर पहलू पर ध्यान के इस भटकाव का दुष्प्रभाव पड़ता ही है। डिजिटल डिस्ट्रैक्शंस के इस दौर में साल-दर-सार लोगों का अटेंशन स्पैन कम होता जा रहा है। साल 2000 में औसत ध्यान अवधि यानी अटेंशन स्पैन 12 सेकेंड था, जो 2015 में करीब 8.25 सेकेंड हो गई। तकनीक के विस्तार और स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल के चलते लोगों का अटेंशन स्पैन और कम हुआ है। अधिकतर लोगों को अपने रोजमर्रा के काम करने, खेलने, किताब पढ़ने और यहां तक कि किसी से बातचीत करने जैसी सहज गतिविधियों के लिए भी एकाग्र रहने में मुश्किल आने लगी है। ना मन कहीं टिकता है और ना ही दिमाग किसी काम में पूरी तरह संलग्न हो पाता है। ठहरकर सोचना-समझना या किसी काम को अंजाम देना ही हमें उलझन में डालने लगा है। ध्यान अनियंत्रित रूप से एक के बाद एक एक्टिविटी से जुड़ता चला जाता है। यह स्थिति इंसान की प्रोडक्टिविटी पर भी नकारात्मक असर डालती है। छोटी-छोटी एक्टिविटीज के लिए भी दिमागी सक्रियता और एकाग्रता बनाए रखना मुश्किल होने लगा है।

हर उम्र के लोगों पर असर: स्मार्ट गैजेट्स के माध्यम से क्लिक भर में मनचाहा कंटेंट, हर तरह की जानकारी, सूचना या संपर्क सूत्र मिल जाने के चलते हर उम्र के लोगों की एकाग्रता कम हुई है। आमतौर पर युवाओं का अटेंशन स्पैन अधिक होता है। चिंताजनक है कि आज के समय में टीनएजर्स भी अपना ध्यान फोकस नहीं कर पाते हैं। अध्ययन बताते हैं कि 4 में से 1 किशोर अपने परिजनों और दोस्तों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी याद नहीं रख पाते हैं। सोशल मीडिया से लेकर टेलीविजन के संसार तक पल-पल स्क्रीन बदलते रहने की आदत के चलते वास्तविक जीवन में भी अटेंटिव रहने की आदत ही खत्म हो गई है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन में सूचना विज्ञान की प्रोफेसर और 'अटेंशन स्पैन', 'ग्राउंड ब्रेकिंग वे टू रिस्टोर बैलेंस', 'हैप्पीनेस एंड प्रोडक्टिविटी' की लेखिका डॉ. ग्लोरिया मार्क के अनुसार सिंगल स्क्रीन को देखने वाले व्यक्तियों का एवरेज फोकस समय 2004 में 2.5 मिनट से घटकर 2021 में औसतन 47 सेकेंड हो गया है। कंटेंट की भरमार के इस मौजूदा दौर में खुद को फोकस्ड रखने के प्रयास आवश्यक हो गए हैं, क्योंकि ध्यान अवधि का कम होते जाना कई मानसिक और मनोवैज्ञानिक परेशानियों का भी कारण बनता है। *

रहना होगा सजग

अटेंशन स्पैन कम होने के पीछे तकनीक के साथ ही मानवीय विचार और व्यवहार से जुड़े पहलू भी शामिल हैं। रिसर्च बताते हैं कि स्ट्रेस और ध्यान अवधि के कम होने में गहरा संबंध है। इतना ही नहीं अटेंशन स्पैन इस बात से भी प्रभावित होता कि कोई इंसान किए जा रहे काम या संवाद से भावनात्मक रूप से कितना जुड़ाव रखता है? 'स्टोलन फोकस- व्हाई यू कांट पे अटेंशन, एंड हाउ टू थिंक डीपली अगेन' के लेखक जोहान हरी का कहना है कि टेक्नोलॉजी ही ध्यान अवधि को प्रभावित करने वाला एकमात्र कारक नहीं है। खानपान, शारीरिक सक्रियता, नींद और नोटिफिकेशंस की टिकटिक सब कुछ मन-मस्तिष्क के ठहराव को प्रभावित करता है। ऐसे में मानसिक व्यायाम वाले खेल, मेडिटेशन और एक समय में एक ही काम पर फोकस करने की आदत मददगार बन सकती है। सबसे अहम बात यह है कि ध्यान भटकाने वाले स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल का समय फिक्स किया जाए, याद रहे कि तकनीक जीवन का हिस्सा जरूर है पर जीवन का पूरी तरह तकनीकी माध्यमों तक सिमट जाना चिंतनीय है। इसीलिए सोने-जागने से लेकर खान-पान तक ट्रेडिशनल लाइफस्टाइल से जुड़ते हुए वर्चुअल बिजी रहने से परे व्यावहारिक मोर्चे पर जीवन को साधने के प्रयास किए जाएं।

नवगीत

डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

शायद कोई सह पाएगा

हमने जितना दर्द सहा है
शायद कोई सह पाएगा
जिन लोगों में हम रहते हैं
शायद कोई रह पाएगा।
हम ही बाहर निकले हरदम
करने पतझड़ की अगवानी
सबके मन में क्लेश यही था
कब आएगी रुत मस्तानी
लहरों के विपरीत बहे हैं
शायद कोई बह पाएगा।
बच्चों की खुशियों की खातिर
खूब बनाए सपनों के घर
कुछ बनते-बनते टूटे तो
कुछ घर आज तलक हैं जर्जर
जितनी बार ढहे हम तट पर
शायद कोई ढह पाएगा।
जो भी कागज पर लिखते हैं
होती है उसमें सच्चाई
न तुलसी की है चौपाई न
बिस्मिल्ला खां की शहनाई
जो हम कहते हैं महफिल में
शायद कोई कह पाएगा।

छोटी कहानी / अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

उन दोनों पतंगों ने सुन रखा था, लौ में जलकर प्राणोत्सर्ग करना उनकी परंपरा है। दोनों दीयों ने इस परंपरा का निर्वाह करना चाहा, लेकिन इस परंपरा निर्वहन में उन्हें जिस अनुभव से गुजरना पड़ा, मनुष्य का चरित्र उजागर हो गया। मनुष्यता पर कटाक्ष करती कथा।

छूत

दोनों पतंगे महानगर में पैदा हुए थे। महानगर में ही पले-बढ़े और जवान हुए थे। दोनों बचपन से ही अपने बड़े-बुजुर्गों के मुंह से दीपक और पतंगे के अमर-प्रेम की कहानियां सुनते चले आ रहे थे। उन्होंने सुन रखा था, दीये के साथ पतंगे का प्रेम सनातन है। जहां कहीं भी आदर्श प्रेम की चर्चा होती है, दीये और पतंगे के प्रेम का ही उदाहरण दिया जाता है। उन्होंने सुन रखा था कि हंसते-हंसते दीये की लौ में जल कर अपना प्राणोत्सर्ग कर देना उनकी जातीय परंपरा है। दीये के बगैर पतंगे का जीवन अधूरा और निरर्थक है। अतः उन दोनों की हार्दिक इच्छा थी कि वे भी किसी दीये से प्रेम करें, उसकी गरमाई का अद्भुत आनंद लें। अंततः उसकी लौ में जल कर अपनी परंपरा का निर्वहन करें। लेकिन समस्या यह थी कि प्रेम करने के लिए उन्हें दीया कहां से मिले? उन्होंने तो आज तक दीये की शक्ल भी नहीं देखी थी। महानगर में तो हर तरफ बिजली के छोटे-बड़े बल्ब, मरकरी रॉड, सोडियम और हैलोजन लाइटें जगमगा रही थीं।

पतंगों ने अपने समाज के बड़े-बुजुर्गों से दीये की हुलिया पूछी, उसके रूप-रंग आकार, प्रकार और संभावित ठिकाने के बारे में जानकारी ली और प्रेम दीवाने दोनों पतंगे सिर पर कफन बांध कर दीये की तलाश में निकल पड़े।

महानगर की सीमा छोड़ वे दोनों पतंगे गांवों की तरफ उड़ चले। लंबी यात्रा के बाद आखिरकार उन्हें गांव के बाहर, एक पुराने मंदिर की दहलीज पर अपनी पूरी मस्ती में लहराता हुआ एक नन्हा-सा दीया दिखलाई दिया। दोनों मारे खुशी के उछल पड़े। उनकी रास्ते की थकान छू-मंतर हो गई। अगले ही पल वे दीये के करीब पहुंच गए।

दीये की आंच अपनी जवानी पर थी। वे दोनों पतंगे काफी देर तक दीये की झूमती, लहराती लौ के साथ छेड़छाड़ करते रहे, उसके चारों तरफ चक्कर काटते रहे और उसकी गरमाई का आनंद लेते रहे। यूं ही मस्ती करते, आनंद लेते कितना समय बीत गया, इसका उन्हें ध्यान ही नहीं रहा। अचानक उन्हें लगा कि दीये की आंच कुछ मंद होने लगी है। 'क्या बात है भई! तुम्हारा जोश और ताप शिथिल क्यों पड़ने लगा?' पहले पतंगे ने दीये की लौ से प्रश्न किया।

'अब मेरा अंत समय निकट है। मैं अब बस कुछ ही क्षणों की मेहमान हूं, क्योंकि मेरा जीवन-रस यानी तेल समाप्त हो चला है।' दीये की बाती ने कांपती आवाज में जवाब दिया।

'दोस्त! अब यह दीया बुझने वाला है। इससे पहले कि इसकी मद्धिम पड़ती आंच बुझकर धुएं में बदल जाए, हमें यहां से चल देना चाहिए। आओ! कहीं अन्यत्र चलें और किसी दूसरे जवान दीये की तलाश करें।' दूसरा पतंगा पहले से बोला। 'अरे! ये क्या कह रहा है तू? महानगर में आदमियों की बस्ती में रहते-रहते तुम्हें भी आदमी के चरित्र की छूत लग गई है क्या? दोस्त! हमें अपनी पहचान नहीं भूलनी चाहिए। हम पतंगे हैं, इंसान नहीं। दीये के साथ हमारा प्रेम आदर्श और अनन्य है। हमारा फर्ज यही है कि इस दीये के बुझने से पहले हम स्वयं मिट जाएं ताकि हमारे आदर्श प्रेम पर कोई अंगुली ना उठा सके।' पहले पतंगे ने आंखें तरेरते हुए दूसरे से कहा और दीये की टिमटिमाती लौ में समा गया। *

लघुकथा / पूनम पांडे

बेखबर

अभय प्रताप ने आज काफी समय के बाद किसी समारोह में शिरकत के लिए सहमति दी थी। वह एक जाने-माने आर्किटेक्ट हैं। उनके बनाए डिजाइन दुनियाभर की इमारतों के रूप में उनके यश को बढ़ा रहे हैं। साठ बरस के हो चले अभय प्रताप अब अपने सुपुत्र को स्थापित करना चाहते हैं। इसलिए वह बाहर कम ही जाते। घर पर बेटे को बारीकी से इमारत के डिजाइन के लिए टिप्स दिया करते हैं। आज एक वास्तुकला महाविद्यालय के समारोह में बहुत ही आदर-सम्मान के साथ अभय प्रताप को बुलाया गया था। एक छात्रा ने उनके चरण स्पर्श किए। उनकी डिजाइन की हुई हर इमारत का नक्शा उसे जुबानी याद था। अभय प्रताप को बहुत खुशी हुई कि युवा वर्ग पुराने लोगों के काम पर इतना ध्यान देता है।

समारोह कुल मिलाकर तीन घंटे तक चला था। वह छात्रा बार-बार आकर उनका ख्याल रख रही थी। उसे मालूम था, अभय प्रताप गुनगुना पानी पीते हैं। चाय में शक्कर की जगह वह गुड़ लेते हैं, इतनी छोटी-छोटी बातें उसको मालूम थीं। इसका वह ध्यान रख रही थी। विदाई से कुछ देर पहले छात्रा अभय प्रताप के पास आई। एक डायरी उनके आगे रख दी। उन्हें लगा कि छात्रा उनके आटोग्राफ लेना चाहती है। लेकिन वह एक पन्ना दिखाती हुई बोली, 'यह मेरा अनुमान है। आपको दिखाना चाहती थी कि एक साधारण मकान के आगे बरामदा और बगीचा ऐसा ही होगा ना।' अभय प्रताप को बहुत खुशी हुई कि यह छात्रा कितनी उत्साहित है। उनके लिए कोई डिजाइन या नक्शा तैयार करना बाएं हाथ का खेल था, जबकि इस काम के लिए उन्हें लाखों का भुगतान होता था। अब यह उनकी कल्पना और अंगुलियों का कमाल था, बरसों की साधना थी। 'ऐसे नहीं ऐसे।' कहकर अभय प्रताप ने कुछ सेकेंड में एक नक्शा खींच कर उस छात्रा को दे दिया। वह गदगद होकर उनके चरण स्पर्श कर चली गई। दो दिन बाद अभय प्रताप के बेटे का एक बड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनी में साक्षात्कार हुआ। बेटे ने बताया कि एक युवती को चुना गया है।

'कंपनी की मर्जी है, ठीक है।' कहकर वह खामोश रहे। 'लेकिन डैडी, उसने एक ऐसा डिजाइन दिखाया, जिसे देख कर साक्षात्कार लेने वाले अचंभित रह गए। उनका कहना था कि इस युवती में जाने-माने आर्किटेक्ट अभय प्रताप जैसी प्रतिभा है।' 'अच्छा! क्या किया था उसने?' वह चौंके। 'डैडी, उसने एक साधारण से घर के बरामदे और बगीचे का अनोखा डिजाइन खींच कर दिखाया था।' बेटे ने बताया। अभय प्रताप को लगा जैसे उनके पैरों तले जमीन खिसक गई है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता में जीवन स्पंदन

हाल में प्रकाशित होकर आए पुरुषोत्तम घनश्याम व्यास के पहले कविता संग्रह 'बात करके क्या बात करूं' में कुल 284 कविताएं संकलित हैं। ये कविताएं कहीं से गढ़ी हुई नहीं लगती हैं। ऐसा लगता है कि अपने आस-पास के जीवन की अनुभूतियों, कोमल संवेदनाओं और विडंबनाओं के प्रतिक्रियास्वरूप कवि के मन में इनका जन्म हुआ, जिसे उन्होंने वैसे ही कविता के रूप में व्यक्त कर दिया है। इसीलिए यहां भाषा और शिल्प की जटिलता भी नजर नहीं आती है और बहुत सहजता से इनके भाव पाठक के मन को स्पर्श कर जाते हैं। इन कविताओं में जीवन स्पंदन को स्पष्ट तौर पर महसूस किया जा सकता है। 'सुबह शाम/मैं अकेला/करता रहा अपने से बात/भीड़-भाड़ भरे शहर में/रहता हूं एकांत।' (रहता हूं एकांत) जैसी पंक्तियां आज के दौर में आपा-धापी भरी जीवनशैली में एक भावुक इंसान की व्यथा को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। प्रेम पर वे लिखते हैं 'वह कविता/यह कविता/ सब कविता/ तुम्हारे लिए/ ढूढ़ो अगर इसमें तो/ अपने को ही पाओगी...' (कविता)। *

पुस्तक: बात करके क्या बात करूं (कविता संग्रह), **रचनाकार:** पुरुषोत्तम घनश्याम व्यास, **मूल्य:** 250 रुपए, **मुद्रक:** प्रियंका प्रिंटर्स, अमरावती

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित हुआ ओडिशा पर्व समारोह 2024

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित 'ओडिशा पर्व समारोह 2024' कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने ओडिशा की हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया। पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं आप सबको और ओडिशा के सभी लोगों को 'ओडिशा पर्व' की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस साल 'स्वभाव कवि' गंगाधर मेहर की पुण्यतिथि का शताब्दी वर्ष भी है। मैं इस अवसर पर उनका पुण्य स्मरण करता हूं, उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं।'

पीएम ने कहा, 'अतीत से लेकर आज तक, ओडिशा ने देश को कितना सक्षम नेतृत्व दिया है, ये भी हमारे सामने है। आज ओडिशा की बेटी श्रीमति द्रौपदी मुर्मू जी भारत की राष्ट्रपति हैं। ये हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है। उनकी प्रेरणा से आज भारत में आदिवासी कल्याण के लिए हजारों करोड़ रुपये की योजनाएं शुरू हुई हैं। ये योजनाएं सिर्फ ओडिशा में ही नहीं, पूरे देश के आदिवासियों का हित कर रही हैं।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'ओडिशा को नई ऊंचाई तक ले जाने के लिए 10 साल से चल रहे अनवरत प्रयास ओडिशा के लिए नए भविष्य की उम्मीद बन रहे हैं। 2024 में ओडिशा वासियों के अभूतपूर्व आशीर्वाद ने इस उम्मीद को नया हौसला दिया है।' उन्होंने कहा, 'आज पूरे पूर्वी भारत में कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा के कामों में तेजी लाई गई है। 10 साल पहले केंद्र सरकार, ओडिशा को जितना बजट देती थी, आज ओडिशा को उससे तीन गुना ज्यादा बजट मिल रहा है। इस साल ओडिशा के विकास के लिए पिछले साल की तुलना में 30 प्रतिशत ज्यादा बजट दिया गया है। हम ओडिशा के विकास के लिए हर सेक्टर में तेजी से काम कर रहे हैं।'

मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार ओडिशा में Ease Of Doing Business को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्कर्ष, उत्कल के माध्यम से निवेश को बढ़ाया जा रहा है। ओडिशा में नई सरकार बनते ही पहले 100 दिनों के भीतर ही 45 हजार करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी मिली है। आज ओडिशा के पास अपना विजन भी है और रोड मैप भी है।'

पीएम मोदी ने कहा, 'आज के आधुनिक युग में आधुनिक बदलावों को हमें आत्मसात भी करना है और अपनी जड़ों को भी मजबूत बनाना है। ओडिशा पर्व इसका एक माध्यम बन सकता है।' उन्होंने कहा, 'आज ओडिशा के साथ देश में भी ऐसी सरकार है, जो ओडिशा की धरोहरों का, उसकी पहचान का सम्मान करती है। पिछले साल भारत में आयोजित हुए जी 20 सम्मेलन के दौरान हमने इतने सारे राष्ट्राध्यक्षों और राजनयिकों के सामने सूर्य मंदिर की ही भव्य तस्वीर को प्रस्तुत किया था।'

संभल में जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा पर राजनीति शुरू

अखिलेश यादव ने भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

संवाददाता

लखनऊ, संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा पर राजनीति शुरू हो गयी है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस हिंसा को भाजपा द्वारा 'रची गयी' करार दिया। अखिलेश ने कहा कि मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में अनियमितताओं पर से ध्यान हटाने के लिए भाजपा द्वारा रची गयी। बता दें, शनिवार को उत्तर प्रदेश उपचुनाव के नतीजे घोषित हुए, जिनमें समाजवादी पार्टी को सिर्फ दो सीट मिलीं, जबकि भाजपा और उसकी सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल ने कुल मिलाकर सात सीटों पर जीत दर्द की। भाजपा की जीत के बाद से राज्य की राजनीति गमार्यी हुई है।

अखिलेश यादव ने रविवार को संभल हिंसा पर बयान देते हुए पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने दावा किया कि संभल में एक गंभीर घटना हुई। चुनाव के बारे में चर्चा को रोकने के लिए सुबह जानबूझकर एक सर्वेक्षण टीम भेजी गई थी। इसका उद्देश्य अराजकता पैदा करना था ताकि चुनावी मुद्दों पर कोई चर्चा न हो सके।

मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए अखिलेश ने कहा कि संभल में हुई हिंसा में कई लोग घायल हुए हैं और सवाल किया कि जब मस्जिद का सर्वेक्षण पहले ही हो चुका था, तो फिर से नया सर्वेक्षण क्यों किया गया और वह भी सुबह-सुबह और बिना किसी तैयारी के? उन्होंने आगे कहा कि मैं कानूनी या प्रक्रियात्मक पहलुओं में नहीं जाना चाहता, लेकिन दूसरे पक्ष की बात भी नहीं सुनी गई। यह जानबूझकर भावनाओं को भड़काने और चुनाव में धांधली पर चर्चा से बचने के लिए किया गया था। यादव ने आरोप लगाया, 'संभल में जो कुछ हुआ, वह चुनावी अनियमितताओं से ध्यान हटाने के लिए भाजपा, सरकार और प्रशासन द्वारा रचा गया था।'

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर उपचुनाव के दौरान 'इलेक्ट्रॉनिक बूथ कैप्चरिंग' का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब भी निष्पक्ष जांच होगी और बूथ रिकॉर्डिंग और सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से सच्चाई सामने आएगी, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि मतदाताओं ने अपना वोट नहीं डाला और बूथ के अंदर कोई और मतदाता बन गया।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

संसेक्स 81,634.72

निफटी 25,013.85

डिवाइडर से टकराकर कार के खाई में गिरने से दो लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश के आगरा में रहनकलां टोल प्लाजा से पहले एक कार डिवाइडर से टकराने के बाद खाई में गिर गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में कार में सवार दो लोगों की मौत हो गयी और तीन लोग घायल हो गये। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान पम्मी (25) और महेंद्र शुक्ला (45) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में44 वर्षीय रजनीकांत शुक्ला,20 वर्षीय करण और 24 वर्षीय जितेंद्र घायल हुए, जिन्हें यमुना पास स्थित श्री कृष्णा अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने बताया कि अमेठी के पन्नी गांव के रहने वाले कर्मवीर की बारात शुक्रवार रात दस बजे अमेठी से दिल्ली के लिए निकली थी। उन्होंने बताया कि बाराती एक बस और चार कार में सवार थे। अधिकारी ने बताया कि तड़के पांच बजे के करीब एत्मादपुर के रहनकलां के पास कार चालक की आंख लग गयी और तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर खाई में गिर गयी। एत्मादपुर थाना प्रभारी विजय विक्रम सिंह ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी और बाकी तीन का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तीनों घायलों की हालत स्थिर है।

हार स्वीकार नहीं कर पा रही सपा : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

संवाददाता

लखनऊ, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा पर उत्तर प्रदेश उपचुनाव में 'इलेक्ट्रॉनिक बूथ कैप्चरिंग' का आरोप लगाया। अब राज्य के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अखिलेश के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सपा के पैरों तले जमीन खिसक गयी है और अखिलेश यादव अपनी हार स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री पाठक ने अखिलेश यादव के बयानों पर करार प्रहार किया। उन्होंने कहा, 'सीने में जलन, आँखों में तूफान सा क्यों है, सैफई घराने में हर शख्स परेशान सा क्यों है। सपा के पैरों तले जमीन खिसक चुकी है और अखिलेश यादव इस हार को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि सपा नेताओं का ध्यान केवल माफियागीरी, संपत्तियों पर कब्जा और महिलाओं की इज्जत-आबरू को खतरे में डालने पर रहता है।

पाठक ने सपा के शासनकाल और उनकी नीतियों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'अखिलेश यादव झूठे वादों से जनता को भ्रमित करते हैं। इन लोगों ने लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान खतरे में है बताकर जनता को बरगलाया और महिलाओं को 8-8 हजार रुपये देने की बात कही थी, बाद में महिलाओं ने इनके कार्यालयों का घेराव भी किया, जिसे पूरे देश ने देखा।' उप मुख्यमंत्री पाठक ने कहा कि प्रदेश की जनता इन लोगों की असलियत जानती है और उन्हें पूरी तरह नकार चुकी है।

उन्होंने कहा, 'समाजवादी पार्टी भारत के संविधान की बात करती है। लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमेशा सपाइयों ने ही हमला किया है, कभी न्यायपालिका पर हमला किया, तो कभी निर्वाचन आयोग पर हमला किया। इनको लोकतंत्र पर भरोसा ही नहीं है। इसी निर्वाचन आयोग ने लोकसभा का चुनाव कराया था तब ईवीएम अच्छी थी, तब निर्वाचन आयोग बहुत अच्छा काम कर रहा था, तब अधिकारियों की तारीफ करते नहीं थकते थे।'

पाठक ने कहा कि इनकी सबसे बड़ी पीड़ा चुनाव हारना तो है ही, उसे बड़ी पीड़ा यह है कि ये जानते हैं कि इनका मूल वोटर इनसे दूर जा चुका है। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग हो या दलित समाज सब ने सपा को छोड़ने का काम किया है, मुसलमान को भी यह सिर्फ वोटर समझते हैं। उन्होंने कहा कि ये कुंदरकी की बात करते हैं वहां उनके प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई है, भाजपा को सबसे ज्यादा वोट मिला है। उन्होंने कहा, 'वे कहते हैं कुंदरकी में गड़बड़ी हुई तो पोस्टल बैलेट एक उदाहरण है। पोस्टल बैलेट में भाजपा प्रत्याशी को 68 वोट मिलें हैं जबकि सपा प्रत्याशी को मात्र 29 वोट मिलें है। आंकड़े बताते हैं कि जिस तरह हमें पोस्टल बैलेट में 70 फीसदी और सपा को 30 फीसदी वोट मिला, वहीं रुख ईवीएम में भी चला। इसका जबाव इनके पास नहीं है।' उन्होंने कहा कि लाल टोपी वालों के काले कारनाम जनता जान चुकी है, अब इन्हें जनता कभी माफ नहीं करेगी।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल के कुल्लू और लाहौल-स्पीति के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी

एजेंसी

नई दिल्ली, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और लाहौल-स्पीति जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में शनिवार को रुक-रुक कर बर्फबारी हुई। कुल्लू जिले के सोलंग, मारी, गुलाबा और रोहतांग तथा लाहौल-स्पीति के कोकसर और सिस्सू में बर्फबारी से किसानों और होटल व्यवसायियों के चेहरे पर खुशी दिखी क्योंकि सूखे के कारण सर्दियों की फसलें और पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ है। लाहौल-स्पीति पुलिस ने यात्रियों को अनावश्यक यात्रा से बचने और बर्फ में वाहन चलाते समय सतर्क रहने की सलाह दी है।

देश तोड़ने की बात करने वालों को जनता ने सबक सिखाया

एजेंसी

नई दिल्ली, भाजपा सांसद कंगना रनौत ने रविवार को कहा कि लोगों ने देश को तोड़ने की बात करने वालों को करारा सबक सिखाया है। वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों का जिक्र कर रही थीं जहां उनकी पार्टी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले महा विकास आघाडी (एमवीए) को करारी शिकस्त दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए अभिनेत्री-राजनेता ने कहा कि उनका मानना है कि उनका जन्म देश के उद्धार के लिए हुआ है और वह अजेय हैं।

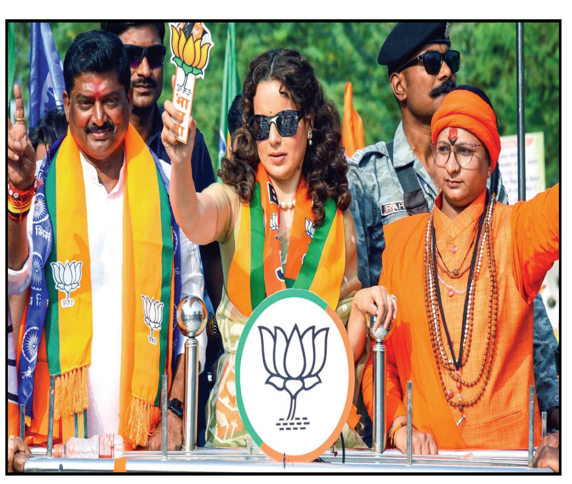

रनौत और महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की एमवीए सरकार के बीच 2020 में तब कड़वाहट आ गयी थी, जब तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के नेतृत्व वाली बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने उनके बांद्रा स्थित बंगले में कथित अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया था। भारतीय जनता पार्टी नीत महायुति ने शनिवार को महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखी, जबकि कांग्रेस नीत एमवीए का सत्ता हासिल करने का सपना टूट गया और विपक्षी गठबंधन सिर्फ 46 सीटें हासिल करने में कामयाब रहा।

नयी दिल्ली रवाना होने से पहले हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में भुंतर हवाईअड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए रनौत ने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने विकास और स्थिर सरकार के लिए वोट दिया है। उन्होंने महायुति की चुनावी सफलता के लिए मोदी को बधाई दी और कहा कि भाजपा आलाकमान महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री का फैसला करेगा।

मंडी से सांसद ने कहा, चुनाव प्रचार के दौरान मैंने देखा कि हर बच्चा मोदी-मोदी का नारा लगा रहा था। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे बड़े नेता हैं। भाजपा एक ब्रांड है और आज भारत के लोग इस ब्रांड पर भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री का जन्म देश के उद्धार के लिए हुआ है और वह अजेय हैं।

रनौत ने दावा किया कि आजादी के बाद कांग्रेस भी एक ब्रांड थी लेकिन आज यह एक क्षेत्रीय पार्टी बन गई है क्योंकि लोगों का इसमें विश्वास खत्म हो गया है। अपने बंगले में तोड़फोड़ की कार्रवाई से पहले रनौत ने यह भी कहा था कि उन्हें मूवी माफिया से ज्यादा मुंबई पुलिस से डर लगता है और उन्होंने महाराष्ट्र की राजधानी की तुलना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से की थी।

सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए हज सुविधा ऐप 2जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को हज सुविधा ऐप 2 जारी किया। ऐप के इस नए संस्करण में हवाई यात्रा विवरण, गंतव्य स्थल के मानचित्रों के साथ दिशा सूचक प्रणाली समेत अन्य खासियतें जोड़ी गई हैं। इसमें हज पर जाने वाले भारतीय श्रद्धालुओं के चिकित्सकीय विवरण और स्वास्थ्य सलाह जैसी प्रमुख विशेषताएं भी शामिल की गई हैं। ऐप को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने जारी किया। उन्होंने अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और भारतीय हज समिति के अध्यक्ष अब्दुल्लाकुट्टी सहित अन्य की उपस्थिति में राज्य और केंद्रशासित प्रदेश हज समितियों के अध्यक्षों के सम्मेलन का उद्घाटन करते वक्त इस ऐप को जारी किया। रीजीजू ने इस बात पर जोर दिया कि हज लंबे समय से भारत और सऊदी अरब के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला रहा है। उन्होंने हज यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण सुधारों पर प्रकाश डाला, जिनमें विवेकाधीन कोटा को हटाना, हज सुविधा ऐप के माध्यम से प्रौद्योगिकी का एकीकरण और बिना मेहरम वाली महिला श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का प्रावधान शामिल है।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगाँव

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/ब-121/2024-25

आम जनता ग्राम बिसाही को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहन कुमार यादव आ० आनंद जाति बरगाह निवासी ग्राम बिसाही तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर द्वारा अपने पिता आनंद आ० बंश धारी का जन्म दिनांक 10-11-1966 को जन्म होने पर आवेदक अपने पिता का जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत्शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र अनुपलब्धता प्रयाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 28/11/2024 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 13/11/2024 से जारी किया गया। को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगाँव

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगाँव

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/ब-121/2024-25

आम जनता ग्राम बिसाही को सूचित किया जाता है कि आवेदक जगनन्दन आ० स्व० मंडल जाति रजवार निवासी ग्राम बिसाही तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर द्वारा अपने माता स्व० सोनिया बाई पति स्व० मंडल का मृत्यु दिनांक 22-10-2023 को मृत्यु होने पर आवेदक अपने माता के मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र अनुपलब्धता प्रयाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 04/12/2024 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 19/11/2024 से जारी किया गया। को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगाँव

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम-सुन्दरपुर प.ह.न.-15

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलेश्वर सिंह पिता बद्रीनाथ जाति गोड़ निवासी ग्राम सुन्दरपुर प.ह.न.15 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के बाबा स्व० नवलसाय आ० खोरा का मृत्यु दिनांक 31/03/2008 को ग्राम सुन्दरपुर में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने बाबा स्व० नवलसाय आ० खोरा का मृत्यु पंजीयन को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 06/12/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/11/2024 को मेरे जारी किया गया। हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम-सुन्दरपुर प.ह.न.-15

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलेश्वर सिंह पिता बद्रीनाथ जाति गोड़ निवासी ग्राम सुन्दरपुर प.ह.न.15 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के भतिजा हरिश सिंह आ० ईश्वरप्रसाद का जन्म दिनांक 10/10/2012 को ग्राम सुन्दरपुर में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने भतिजा हरिश सिंह का जन्म पंजीयन को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 06/12/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/11/2024 को मेरे जारी किया गया। हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

रा०प्र०क० ..ब-121/2024-25

ग्राम- डाड़खडुवा तहसील राजपुर

-:: ईश्तहार ::-

एत्द द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धनीराम आ० स्व० भंगरू राम निवासी ग्राम डाड़खडुवा थाना तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा अपनी माता स्व० मुलिया की मृत्यु ग्राम डांड़खडुवा में दिनांक 02.03.2009 को हुआ है। किन्तु जन्म / मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 29/11/2024 के पूर्व इस फ़्यायालय में आपत्त्रि पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार उप तहसील जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईष्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनेष्वर सिंह आ0 अबीरलाल जाति कंवर निवासी ग्राम पंचायत बंषीपुर उप तहसील - जरही, तहसील प्रतापुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0), द्वारा अपने स्वयं धनेष्वर सिंह आ0 अबीरलाल का जन्म दिनांक 28/12/1994 को जन्म ग्राम पंचायत बंषीपुर में घर पर होने का लेख कर जन्म प्रमाण पत्र बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः इसमें किसी को कोई आपत्ति हो तो, वह अपनी लिखित दावा आपत्ति दिनांक 20/11/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जायेगा। ग्राम पंचायत में चस्पा कराकर एवं स्थानीय समाचार में ईष्तहार का प्रकाषन कराया जावें। यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 04/11/2024 को जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
उप तहसील जरही, प्रतापपुर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./..........अ-20 (3)/2023-24

ईष्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रविन्द्र स्वर्णकार आ स्व0 रामचन्द्र स्वर्णकार, जयश्री स्वर्णकार पत्नी रविन्द्र स्वर्णकार दोनों निवासी महामाया रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला चोपड़ापारा नगर अम्बिकापुर सीट नम्बर-01 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 9/103 रकबा 0.07 एकड़ में से रकबा 04 डिसमिल भूमि को अनावेदक विजय कुमार सोनी आ0 स्व0 रामेष्वर प्रसाद सोनी निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला -सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र, मय दस्तावेज मेंटनेन्स खसरा की प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा-आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 9/12/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

लोगो को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना हेतु करें जागरूक : जयवर्धन

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने ली विभागवार जानकारी, दिये निराकरण के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को यहाँ जिला कार्यालय के सभागार में कलेक्टर एस.जयवर्धन की अध्यक्षता में समय सीमा प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें डीएफओ पंकज कमल, सीईओ जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित एसडीएम व समस्त विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने विभागवार एक-एक आवेदन पर जानकारी प्राप्त कर, निर्धारित समय पर आवेदन के निराकरण पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर विस्तृत चर्चा की। पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के बारे में लोगों को किया जाए जागरूक, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने आदर्श सौर गांव कुंजनगर बिश्रामपुर में विद्युत विभाग, वेंडर, बैंक व हितग्राहियों के उपस्थित में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये ताकि हितग्राहियों को शीघ्र योजना का लाभ मिल सके। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अभियान से ग्रीन एनर्जी मिशन को बढावा देकर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने मे मदद होगी।

बैठक के दौरान आबकारी विभाग द्वारा लांच किये गए मोबाइल ऐप 'मनपसंद' के बारे में आबकारी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस एप्प का उद्देश्य शराब उपभोक्ताओं को पारदर्शी व बेहतर सुविधा प्रदान करना है। इस ऐप के माध्यम से उपभोक्ता को क्या-क्या सुविधा प्राप्त होगी इसके सम्बंध में जानकारी दी गई।

कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु संयुक्त रूप से करें कार्य

कलेक्टर ने जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार, थाना प्रभारी व अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में चर्चा की गई और संबंधित अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने को कहा। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी सजग होकर आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अपने क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों के द्वारा की जाने वाली वारदातों, घटनाओं एवं विवादों पर पैनी नजर रखें। किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि होने अथवा अप्रिय स्थिति की संभावना को देखते ही त्वरित रूप में सख्त कार्यवाही करें।

इसके अलावा कलेक्टर ने नशीली दवाइयों की अवैध आपूर्ति रोकने, कोटपा एक्ट के तहत तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियमित कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने जिले में सड़क यातायात में व्यवधान उत्पन्न करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने एवं सड़क किनारे अवैध दुकान लगाने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों पर आवारा पशुओं के विचरण रोकने और यातायात सुचारु करने के लिए भी नियमित कार्यवाही तथा जिले में होने वाले विभिन्न आयोजनों के दौरान जानबूझकर ध्वनि प्रदूषण कर कानून व्यवस्था का उल्लंघन किए जाने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने गाड़ियों में अवैध रूप से डीजे साउंड सिस्टम लगाने और मानक स्तर से अधिक ध्वनि उत्पन्न कर प्रदूषण करने पर त्वरित एवम सख्त कार्यवाही करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए।

त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव के तैयारियों की हुई समीक्षा

जिले में त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव के तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने मतदाता सूची की अद्यतन स्थिति, मतदान केंद्र भवनों, रैंप, शौचालय सहित सभी सुविधाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मानव संसाधन प्रशिक्षण, निर्वाचन सामग्रियों के सम्बन्ध में तथा संवेदनशील असंवेदनशील मतदान केंद्रों की जानकारी लेते हुए दिशा निर्देश दिए।

समय पर सुनिश्चित करें राजस्व प्रकरणों का निराकरण

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कामकाजों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए आमजनों के सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैठक में फौती नामांतरण, भूमि अधिग्रहण, सीमांकन, डायवर्सन, त्रुटि सुधार, बंदोबस्त, खसरा एवं नक्शा त्रुटि सुधार, अविवादित, विवादित नामांतरण, बंटवारा, भूमि आबंटन, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, पटवारी की उपलब्धता और अभिलेख दुरुस्तीकरण, भू-राजस्व वसूली, भू-अर्जन प्रकरणों का मुआवजा भुगतान की स्थिति, वन अधिकार पट्टा आदि की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए कहा।

बिहारपुर क्षेत्र में तेंदुआ ने हमला कर बछड़े को किया जख्मी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र में बाघ के बाद अब सप्ताह भर से क्षेत्र में तेंदुआ बिचरण कर रहा है। गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान का घना जंगल होने से आए दिन वन्यप्राणियों का रुख गांव की तरफ होता है। बीती रात ग्राम जुड़वनिया में तेंदुआ ने हमला कर एक बछड़े को जख्मी कर दिया है जो ग्रामीण बबन का बताया गया है। इसकी जानकारी गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों को ग्रामीणों द्वारा दी गई है। सूचना पर अधिकारी जंगल मे पहुंचकर पंजा चिंन्हित कर तेंदुआ होने की पुष्टि की है। परन्तु ग्रामीणों में इस बात की चर्चा है कि क्षेत्र में फिर से बाघ पहुंच गया है जिसको लेकर वे डरे हुए हैं। वनों से घिरा जिले के बिहारपुर क्षेत्र में हमेशा जंगली जानवर की आमद रफ्त होती रहती है। कभी भालु कभी हाथी तो कभी बाघ जैसे वन्यप्राणियों का आतंक अक्सर देखने को मिलता है विभाग की जिम्मेदार अधिकारी इस पर खास पहल नहीं करते हैं। उस सम्बंध में गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान रेंजर ललित सायं पैकरा ने बताया कि क्षेत्र में चार दिन पहले से रड़ी पहरी मे तेंदुआ का लोकेशन मिला था वहीं बीते रात् जुड़वनिया में एक गाय के बछड़ा को तेंदुआ पकड़ा था जहां गाय के चरवाहा द्वारा शोरगुल कर उसे भगा दिए और गाय बछड़ा जख्मी हैं। उक्त क्षेत्र गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान को सरकार ने टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित किया है।

बाल विवाह रोकथाम के एंबेसडर बालिकाओं ने कहा हम बनाएंगे बाल विवाह मुक्त गांव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में बाल विवाह मुक्त सूरजपुर अभियान कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश व जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू जे मार्गदर्शन में लगातार संचालित किया जा रहा है। उक्त अभियान जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत अन्य बाल संरक्षण के विभिन्न विषयों की जानकारी प्रतापपुर विकासखंड के स्कूलों हाइ स्कूल में छात्र छात्राओ को इस विषय पर जागरूक किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगरा और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करवां में यूनिसेफ़ और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह और बाल संरक्षण के महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशाला का आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों को बाल विवाह की हानियों और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी, श्री जायसवाल ने विद्यार्थियों को बाल विवाह मुक्त सूरजपुर अभियान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।उन्होंने बच्चों से इसके लिए सहयोग करने की अपील की जिस पर बच्चों ने आश्वासन दिया कि वे शासन का कदम से कदम मिलाकर साथ देंगें और अपने अपने गाँव को बाल विवाह मुक्त करेंगें।

इस कार्यशाला में यूनिसेफ़ के ज़िला समन्वयक प्रथमेश मानेकर, माध्यम पीआर के अमित घोष, आउट टीचर पवन दीवार, चाइल्ड लाइन से जनार्धन यादव, दिनेश यादव, प्राचार्य परमेश्वर पैकरा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगर, प्राचार्य सतीश भारद्वाज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करवा, श्रीमती डॉ. निशा सिंह जगरनाथ प्रसाद, विद्यालयो से सभी शिक्षक- शिक्षिका वर्ग एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

एनसीसी दिवस पर चला स्वच्छता अभियान

रेणुका नदी स्थित छठ घाट में की गई साफ सफाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के शा. बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं कॉलेज के द्वारा संयुक्त रूप से 1 सीजी कोरबा के कमान अधिकारी कर्नल सेंथिल कुमार एस और एडम ऑफिसर प्रियदर्शन चौधरी के निर्देशन में एनसीसी दिवस मनाया गया। एनसीसी कैडेट्स रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश देते हुए रेड़ नदी पर स्थित छठ घाट पहुंचे । इस कार्यक्रम के तहत् रेड़ नदी के छठ घाट को स्वच्छता अभियान के तहत् साफ किया गया । छठ घाट की सीढ़ियों और नदी के दोनों किनारों को लगभग 3 किलोमीटर तक फैले हुए कूड़े- करकट ,प्लास्टिक की बोतलें, नदी में विसर्जित की गई पूजा सामग्री को नदी से बाहर निकाल कर साफ किया गया। उक्त कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पेंशनर समाज के जिलाध्यक्ष दयानंद चौबे, छठ पूजा समिति के अध्यक्ष गणेश सोनी, भारतीय जनता पार्टी के मंडल उपाध्यक्ष व कन्या परिसर के एसएमडीसी अध्यक्ष रंजन सोनी ने एनसीसी ऑफिसर सुनील दत्त तिवारी और रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय के एनसीसी ऑफिसर दीपचंद एक्का को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य लेफ सिंह, ओमप्रकाश राजवाड़े एवं सुनील कुजूर उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीनियर कैडेट विक्की विश्वकर्मा ,अनीश साहू, कुलदीप सिंह, मनीष सिंह, कलम साय, सीएसएम कमल प्रसाद साहू, प्रिंस, हेमंत राजवाड़े आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

भाजपा वार्ड 13 के संतोष बने बूथ अध्यक्ष

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे संगठन महापर्व के अंतर्गत जिलाअध्यक्ष बाबुलाल अग्रवाल के निर्देश और शहर के मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल की अगुवाई में शहर के विभिन्न वार्डों में बूथ अध्यक्ष पद का चुनाव कराया जा रहा है। सोमवार को कबीर दास वार्ड नंबर 13 मानपुर में भी मंडल अध्यक्ष श्री अग्रवाल, स्वच्छता अभियान के जिला संयोजक राजू देवांगन , महिला मोर्चा की शकुंतला पाठक, एवं युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष किशन देवांगन तथा वार्ड भाजपा के समस्त कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में बूथ समिति का चुनाव सम्पन्न किया गया। जिसमें पूर्व बूथ अध्यक्ष सुखराम कसेरा के प्रस्ताव से वार्ड के संतोष साहू को बूथ अध्यक्ष चुना गया। उपरोक्त बैठक में सुषमा पांडे, वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी, रामू ,सुरेंद्र विश्वकर्मा, जयप्रकाश, केवड़ा बाई, विवेक कुमार, देव कुमारी, अनुज, दीपक, माधुरी, मातादिन, नरेश्वर कशेर, संतोषी, राजमणिया, सीता पनिका, ललिता, वीरेंद्र सिंह, उपस्थित रहे।

10 माह बाद हुआ युवती की हत्या का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। युवती की हत्या के आरोपी को खड़गवां पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि 28 जनवरी को ग्राम झींगादोहर, चौकी खड़गवां की इन्द्रमनिया पण्डो ने चौकी में उपस्थित होकर अपनी पुत्री सीमा पण्डो उम्र 35 वर्ष के संबंध में मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई कि इसकी बेटी सीमा 21जनवरी को रात्रि में घर से बिना बताये कहीं चली गई, परिजनों के द्वारा 6-7 दिन पता तलाश करने पर पुत्री का पता नहीं चला। सूचना पर चौकी खड़गवां में गुम इंसान कायम कर जांच की जा रही थी।

गुम इंसान जांच के दौरान गुम इंसान के वारिशान तथा गवाहों के द्वारा सीमा के गुमशुदा होने के संबंध में सरसताल के चन्द्रिका राजवाड़े का सीमा से प्रेमसंबंध होने व उसके गुम होने को लेकर चंद्रिका पर शंका जाहिर किए जो चन्द्रिका राजवाड़े को लाकर पूछताछ करने पर उसने बताया कि वर्ष 2017 में जंगल में जलाउ लकड़ी लेने जाने के दौरान उसकी मुलाकात सीमा से हुई तथा दोनों का प्रेमसंबंध होने के उपरान्त दोनों पति-पत्नी के रूप में रह रहे थे। 21 जनवरी को सीमा का अन्य लोगों से बातचीत और मेल मिलाप करने एवं उसके चरित्र पर शंका कर पर सीमा और इसके बीच विवाद ग्राम झींगादोहर के बस्ती किनारे रात्रि करीब 8-9 बजे हुआ और आवेश में आकर लकड़ी के डण्डा से सीमा के कनपटी पर मारकर हत्या कर दिया और घटना को छुपाने के लिए सीमा के शव को कंधा में ढोकर सोनगरा झापीनाला जंगल में ले जाकर उसके पकड़े जला दिया, शव को वहां रखकर अपने घर सायकल से जाकर फावडा लेकर वापस आया और कमर भर गड्ढ़ा खोदकर लाश को दफना दिया।आरोपी चंद्रिका राजवाड़े निशानदेही पर कार्यपालिक दण्डाधिकारी, मृतिका के परिजनों व गवाहों की उपस्थिति में शव का उत्खनन कराया गया जो बताए स्थान से उत्खनन में मानव कंकाल विघटित अवस्था में मिले, कंकाल की पहचान मृतिका की मॉ के द्वारा कंकाल के गले में लटके बजारू माला तथा सिर पर मिले लम्बे बाल को देखकर अपनी पुत्री सीमा पण्डो के रूप में पहचान की। डॉक्टरों के द्वारा वहीं पीएम किया गया। मामले में धारा 302, 201 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया और आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डण्डा, फावड़ा, सायकल व सीमा के मोबाईल का सीम जप्त कर आरोपी चन्द्रिका राजवाड़े 48 वर्ष ग्राम सरसताल, थाना भटगांव को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम के मार्गदर्शन में थाना प्रतापपर व चौकी खड़गवा पुलिस के द्वारा की गई।

खड़गवां पुलिस की कार्रवाई

मृतिका के पिता सोहर लाल पण्डो पिता बडे लोचन पण्डो उम्र 50 वर्ष ग्राम झींगादोहर भी 29 जून 2020 से घर से बिना बताये कही चला गया है जिसके संबंध में गुम इंसान कायम कर पतासाजी किया जा रहा है।

10 दिसम्बर तक मनाया जाएगा मानव अधिकार दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में यहां के कन्या उ. मा. वि. में 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक ''मानव अधिकार दिवस'' तक विश्व भर में 16 दिवसीय सक्रियता अभियान के रूप में लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल द्वारा पॉक्सो अधिनियम, गुड टच बैड टच, बाल विवाह एवं टोल फ्री नं0 1098, 112 आदि की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिला संरक्षण अधिकारी श्रीमती इंन्द्र तिवारी के द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत विभिन्न योजनाएं एवं सेवाएं जैसे वन स्टॉप सेंटर, शक्ति सदन के प्रति जागरूकता एवं महिला उत्पीड़न घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, महिला उत्पीड़न इलेक्ट्रॉनिक शिकायत पोर्टल (she-bo&), महिला हेल्पलाइन 181 इत्यादि के बारे में छात्राओं को जानकारी दी गई। कार्यक्रम उपरांत छात्राओं की रैली भी निकाली गई कार्यक्रम लगभग 400 छात्राएं एवं शिक्षक गण उपस्थित रहें।

जिले के शिक्षण संस्थानों में विकसित होंगी सुविधाएं, शिक्षा को मिलेगा नया आयाम

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में जिले में खनिज न्यास संस्थान मद से लगातार विकास कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा 19 नए कार्यों के लिए डीएमएफ मद से 04 करोड़ 37 लाख 42 हजार 800 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इन कार्यों में प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के नवीन भवन निर्माण कार्य सहित न्यूज पेपर स्टैण्ड उपलब्ध कराने के कार्य शामिल हैं। कलेक्टर द्वारा विकासखण्ड पाली के विभिन्न ग्राम पंचायतों में संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयां एवं स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में साइकल स्टैण्ड निर्माण कार्य हेतु 63 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

कलेक्टर ने विकासखण्ड पोड़ी-उपरोड़ा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पसान हेतु नवीन भवन निर्माण कार्य (प्रथम तल) हेतु राशि 48 लाख 10 हजार, विकासखण्ड पोंडीउपरोडा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पसान हेतु नवीन भवन निर्माण कार्य (भूत-तल) हेतु राशि 49 लाख 99 हजार, विकासखण्ड पोंडीउपरोडा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लमना हेतु नवीन भवन निर्माण कार्य (प्रथम-तल) हेतु राशि 48 लाख 10 हजार, विकासखण्ड पोंडीउपरोडा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लमना हेतु नवीन भवन निर्माण कार्य (भूत-तल) हेतु राशि 49 लाख 99 हजार 000, विकासखण्ड पोंडी-उपरोडा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लैंगा हेतु नवीन भवन निर्माण कार्य (भूत-तल) हेतु राशि 49 लाख 99 हजार, विकासखण्ड पोंडीउपरोडा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लैंगा हेतु नवीन भवन निर्माण कार्य (प्रथम तल) हेतु राशि 48 लाख 10 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

इसी प्रकार विकासखण्ड पोंडी-उपरोडा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लैंगा हेतु नवीन भवन निर्माण कार्य (भूत-तल) हेतु राशि 49 लाख 99 हजार, विकासखण्ड पाली के ग्राम पंचायत शिवपुर में नवीन मा.शाला भवन निर्माण कार्य (शिवपुर में) हेतु राशि 15 लाख, कोरबा जिला अंतर्गत संचालित 180 शासकीय हाई/हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में न्यूज पेपर स्टैण्ड उपलब्ध कराने हेतु डीएमएफसे राशि 15 लाख 16 हजार 800 की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

विकासखण्ड पाली अंतर्गत ग्राम पंचायत मादन में साईकल स्टैण्ड निर्माण कार्य (शा.उ.मा.विद्यालय पाली) हेतु राशि 06 लाख 30 हजार, ग्राम पंचायत मदनपुर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम स्कूल मदनपुर (रजकम्मा) में साईकल स्टेण्ड निर्माण कार्य हेतु 06 लाख 30 हजार, ग्राम पंचायत नोनबिर्रा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम स्कूल में साईकल स्टेण्ड निर्माण कार्य हेतु 06 लाख 30 हजार,

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ के चैनपुर से चिरमिरी के साजापहाड़ पहुंच मार्ग का होगा उन्नयन और चौड़ीकरण

17.40 किमी लंबी सड़क के लिए 40 करोड़ 87 लाख रूपए की मिली प्रशासकीय स्वीकृति

■ क्षेत्रीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से संवर रहा है मनेंद्रगढ़ विधानसभा

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। मनेंद्रगढ़ के स्थानीय विधायक और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने क्षेत्र के लोगों से ये वायदा किया था कि मूल सुविधाओं की कमी को दूर करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। अपने वायदे के अनुरूप श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में क्षेत्र में लगातार नए मानकों को स्थापित करने का कार्य किया है। इसी कड़ी में श्याम बिहारी जायसवाल ने क्षेत्र के लोगों की सुविधाजनक आवागमन को लेकर भी अपने प्रयासों से बड़ी सौगात दिलायी है। इसी कड़ी में मनेंद्रगढ़ के चैनपुर से चिरमिरी के साजापहाड़ तक 17.40 किमी लंबे सड़क मार्ग के उन्नयन और चौड़ीकरण के लिए श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से 40 करोड़ 87 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करने के लिए वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ की सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकास कार्य करने के लिए कृतसंकल्पित है। वर्ष 2003 के पहले रायपुर और राज्य के अन्य प्रांतों से मनेंद्रगढ़ तक पहुंचने का सबसे बड़ा साधन रेल मार्ग ही था। यहां की सड़कों की हालत इतनी खराब थी कि लोगों ने सड़कों पर चलना ही छोड़ दिया था। क्षेत्र के लोंगो द्वारा लंबे समय से मनेंद्रगढ़ के साजापहाड़ से चिरमिरी के चैनपुर तक सड़क निर्माण की मांग उठती रही। ऐसा होने से दोनों शहरों के बीच की न सिर्फ दूरी कम होती बल्कि आवागमन की सुविधा बेहतर होने से व्यापार और

शिक्षा के स्तर में भी वृद्धि होती। लेकिन छत्तीसगढ़ निर्माण के तीन वर्षों तक तत्कालीन कांग्रेस सरकार व उनके स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने दोनों शहरों को जोड़ने की दिशा के कोई काम नहीं किया । जबकि ये मांग काफी छोटी और बहुप्रतिक्षित थी। इसके बाद 2003 में छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी और क्षेत्र के लोगों को नई उम्मीद नजर आई। तत्कालीन विधायक दीपक कुमार पटेल ने इस महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण के लिए प्रयास किया गया और साल 2010 में इसका निर्माण कार्य प्रारंभ होकर पोड़ी चौक से साजापहाड़ की सीमा तक 10 किमी लंबे सड़क का निर्माण हुआ। उस वक्त वन विभाग की अनुमति न मिलने से काम पूरा नही हो पाया। इस अधूरी सड़क के निर्माण को पूरा करने का जिम्मा साल 2013 में तत्कालीन विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने हाथों में लेते हुए वन विभाग की परेशानियों को विधानसभा में उठाया और तत्कालीन लोक निर्माण मंत्री से चर्चा कर नवीन सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति दिलवाई।

नवीन सड़क का कार्य साल 2014 में प्रारंभ हुआ और 6 माह के भीतर दोनों शहर आपस में जुड़ गए। इससे चिरमिरी-मनेन्द्रगढ़ की मुख्य सड़क यही बन गयी। समय के साथ इस सड़क पर आवागमन का दबाव बढ़ा और लोगों की मांग उठने लगी कि इसका चौड़ीकरण किया जाए। क्षेत्र के लोगों की मांग पर स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने वर्ष 2017-18 के बजट में इस सड़क के चौड़ीकरण कार्य की स्वीकृति विधानसभा में करा ली। लेकिन वर्ष 2018 में कांग्रेस की सरकार के सत्ता में आने के बाद इस सड़क की चौड़ीकरण का कार्य फिर रूक गया और सड़क के चौड़ीकरण की प्रशासकीय स्वीकृति भी फाइलों में ही अटक कर रह गयी। लेकिन समय एक बार फिर बदला और वर्ष 2023 में भाजपा सरकार की फिर से वापसी हुई। इसके साथ ही स्थानीय और लोकप्रिय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल को भी प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री का दायित्व दिया गया। श्याम बिहारी जायसवाल पर पूरे प्रदेश का जिम्मा है इसके बाद भी वो मनेंद्रगढ़ के लोगों की समस्या का निराकरण सबसे पहले करने की कोशिश करते हैं। श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों का ही नतीजा है कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मनेंद्रगढ़ चैनपुर से चिरमिरी साजापहाड़ की 17.40 किमी लंबी सड़क की पुल पुलिया सहित चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति 40 करोड़ 87 लाख रूपए प्रदान कर दी है।

कल सभी अमृत सरोवर स्थलों पर आयोजित होगा संविधान दिवस, होंगे विविध आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले के सभी अमृत सरोवरों के तट पर कल संविधान दिवस मनाया जाएगा। जिले की कलेक्टर एवं महात्मा गांधी नरेगा की जिला कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार सभी जनपद पंचायतों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रसारित किए गए हैं। संविधान दिवस मनाए जाने के संबंध में जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 26 नवंबर को जिले में सभी अमृत सरोवर तटों पर संविधान दिवस का आयोजन किए संबंधी पत्र जारी किया गया है। इस तारतम्य में संविधान दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। आयोजन हेतु जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर और जनपद पंचायत सोनहत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा को निर्देश पत्र जारी

किए गए हैं। डॉ चतुर्वेदी ने बताया कि संविधान दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य है कि आम नागरिक भारत के संविधान के बारे में जाने और समझें। सभी को अपने मूल अधिकार और कर्त्तव्यों के संबंध में अवगत कराए जाने के लिए संविधान दिवस का आयोजन अमृत सरोवर के तटों पर किया जाना है। कल अमृत सरोवरों के तट पर प्रथम पहर ग्यारह बजे से संविधान के उद्देशिका के मूल पाठ से आयोजन की शुरूआत होगी। इसके अलावा विद्यालयों में इस पर निबंध लेखन गोष्ठी चर्चा सहित चित्रकला आदि के आयोजन कराए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

संविधान दिवस के आयोजन में प्रश्नोत्तरी, भाषण और अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन कर सभी को इसके प्रति जागरूक कराया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का ग्रामीण क्षेत्र में व्यापक प्रभाव है और इससे पंजीकृत महिलाओं जाब कार्ड धारी परिवारों को भारतीय संविधान से अवगत कराया जाएगा। इसलिए यह आयोजन अमृत सरोवरों के तट पर आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच व अन्य जनप्रतिनिधि व समाज के सभी वर्ग के लोग शामिल होंगे। उन्होने आम नागरिकों को इस आयोजन में सहभागी होने का आग्रह भी किया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया मनेंद्रगढ़ के धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण

एमसीबी। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और मनेंद्रगढ़ के स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने आज मनेंद्रगढ़ के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। श्री जायसवाल ने धान खरीदी केंद्र

रतनपुर, बरदर, खड़गंवा और बड़ाबाजार केंद्रों का निरीक्षण करते हुए धान खरीदी का जायजा लिया। श्री जायसवाल ने धान खरीदी केंद्रों में किसानों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लेते हुए समितियों में धान खरीदी प्रक्रिया का भी जायजा लिया। इस दौरान श्री जायसवाल ने समितियों में धान बेचने आए किसानों को माला पहनाकर और श्रीफल देकर सम्मानित भी किया। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने केंद्रों का निरीक्षण करने के साथ ही समिति प्रभारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि किसानों से 21 क्विंटल की दर से ही धान खरीदी की जाए। उन्होंने कहा कि 21 क्विंटल से कम धान खरीदी की शिकायत मिलने पर समितियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिले से अब-तक 281 किसानों ने समर्थन मूल्य पर 1250 मेट्रिक टन धान कि बिक्री

21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से ही हो रही है धान खरीदी, भरम फैलाने वालों पर होगी कारवाई

■ अवैध धान परिवहन, भण्डारण पर प्रशासन की कड़ी निगरानी

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। खरीफ वर्ष 2024-25 के तहत जिले के सभी 21 उपार्जन केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी चालू हैं। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने सभी नोडल अधिकारियों को धान खरीदी केंद्रों में जिम्मेदारी से काम करने के निर्देश दिए हैं। सभी उपार्जन केंद्रों में पूर्ण पारदर्शिता के साथ सतत रूप से निगरानी की जा रही है। धान उपार्जन केंद्र में धान विक्रय के लिए किसान बिना किसी परेशानी के ऑनलाइन माध्यम से टोकन काटकर निर्धारित तिथि को धान विक्रय के लिए धान उपार्जन केंद्र पहुंच रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी द्वारा विभिन्न धान खरीदी केंद्र पहुंचकर व्यवस्था का जायजा

भी ले रही हैं। धान खरीदी में पारदर्शिता बनाए रखने और गड़बड़ी रोकने के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है और धान उपार्जन केंद्र पहुंचकर अधिकारियों के द्वारा खरीदे जा रहे धान पर नजर रख रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार जिले में धान पंजीकृत किसानों की संख्या 22 हजार 855 है और करीब 28 हजार 346 हेक्टेयर में धान बोए गए हैं। 14 नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगा।अब-तक जिले के 281 किसानों ने 1250.44 मेट्रिक टन धान बेच चुके हैं। जिले के किसान लगातार धान की कटाई, मिंजाई के साथ धान बेचने में व्यस्त है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के दौरान हमारे द्वारा दी गई मोदी की गारंटी के अनुरूप इस वर्ष भी किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान के मान से ही धान खरीदी की जा रही है। किसानों को इस मामले को लेकर किसी प्रकार का भ्रम नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में भ्रम फैलाने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए उपार्जन केन्द्रों के माईक्रोएटीएम से 2000 रूपए से लेकर 10 हजार रूपए तक की राशि निकालने की सुविधा भी दी गई है। इससे किसानों को धान बेचने परिवहन के लिए किराये पर लिए गए ट्रैक्टर, मेटाडोर आदि का भाड़ा और हमाली मजदूरी का भुगतान करने में सुविधा होगी। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने अवैध धान परिवहन, भण्डारण व फर्जी तरीके से एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन करने वालों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी।

धान खरीदी केंद्रों में श्रमिक पंजीयन शिविरों का आयोजन

बैकुंठपुर। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देश पर जिले के धान उपार्जन केंद्रों पर श्रमिकों के पंजीयन और नवीनीकरण के लिए विशेष शिविरों का आयोजन श्रम विभाग द्वारा किया है। यह अभियान 27 दिसंबर 2024 तक चलेगा। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से श्रमिकों को उनके अधिकारों और सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए श्रम पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। जिले के बैकुंठपुर विकासखण्ड के धान खरीदी केंद्रो धौराटिकरा 27 नवंबर, जामपरा 29 नवंबर, सलबा, 2 दिसंबर, झारनापारा 3 दिसंबर, तरगंवा 4 दिसंबर, छिंदिया 5 दिसंबर,सरभोका 6 दिसंबर, पटना 9 दिसंबर, गिरजापुर 10 दिसंबर तथा सोनहत विकासखण्ड के कटगोड़ी, सोनहत, रजौली, अकलासरई, रामगढ़ धान उपार्जन केंद्रों में 11 से 17 दिसंबर और खड़गवां विकासखण्ड के बंजारीडांड, चिरमी, पोड़ी, जिल्दा, बैमा, बड़ेकलुआ में 19-27 दिसंबर तक शिविर लगेगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना से मिलने लगी तन-मन को शांति

शान्ति बाई ने दीया - श्रीफल से किया गृह प्रवेश

बैकुंठपुर। संघर्षों से भरा जीवन जी रही कोरिया जिले के ग्राम गिरजापुर की श्रीमती शांति बाई के लिए अपना पक्का मकान कभी एक सपना था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी और उन्हें वह खुशी प्रदान की, जो उन्होंने वर्षों से चाही थी। स्वर्गीय धर्मपाल की पत्नी श्रीमती शांति बाई, जिन्होंने वैधव्य के साथ जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना किया, अपनी पूरी ताकत से परिवार का पालन- पोषण करती रही हैं। उनके दो बच्चे और आठ सदस्यीय परिवार की आजीविका मुख्यत: कृषि पर निर्भर है। बरसों से कच्चे मकान में रह रही शांति बाई पक्के घर की चाह में थीं, लेकिन सीमित संसाधनों ने उनके इस सपने को साकार होने नहीं दिया। वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री आवास

योजना (ग्रामीण) के तहत श्रीमती शांति बाई को मकान निर्माण के लिए अनुदान प्राप्त हुआ। इस योजना ने उनकी उम्मीदों को नया पंख दिया। योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता का सही उपयोग करते हुए उन्होंने तेजी से अपने मकान का निर्माण कार्य पूरा किया। गृह प्रवेश का दिन श्रीमती शांति बाई के लिए एक भावुक और ऐतिहासिक क्षण था। जनपद पंचायत बैकुंठपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अलेक्जेंडर पन्ना ने ग्राम पंचायत सरपंच और ग्रामीणों की उपस्थिति में शांति बाई को उनके नए पक्के मकान की चाबी सौंपी। गृह प्रवेश के दौरान उनके चेहरे पर संतोष और खुशी के भाव छलक रहे थे। उन्होंने थाली में दीया, कुमकुम, पीले चावल और श्रीफल से गृह प्रवेश किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और श्री विष्णु देव साय सरकार को प्रधानमंत्री आवास मिलने पर धन्यवाद दिया। शांति बाई ने कहा प्रधानमंत्री आवास योजना ने मेरे जैसे जरूरतमंदों को जीने की नई राह दी है। अब मेरे पास अपना पक्का मकान है, जो मुझे सामाजिक सुरक्षा और सम्मान का अहसास कराता है। अब मैं और मेरा परिवार शांति और सुकून के साथ जीवन बिता सकेंगे ।ष् आज श्रीमती शांति बाई का परिवार अपने पक्के मकान में सुकून और गरिमा के साथ रह रहा है और यह उनकी मेहनत, संघर्ष और सरकार की सहायता का साकार रूप है।

नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त आरोपी को जेल भेजा गया

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिंह, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, के द्वारा क्षेत्र में संचालित अवैध कारोबार एवं अवैध धंधे में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही कर अंकुश लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के पालन में मुखबिर सक्रिय कर आसूचना तंत्र के माध्यम से अवैध मादक पदार्थों के परिवहन एवं विक्रय की सूचना प्राप्त होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अशोक वाडेगांवकर एवं नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी श्रीमती दीपिका मिंज के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। 24 नवम्बर 2024 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कपुरसिंह दफाई निवासी मुन्ना राव अपने पास अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर टंकी दफाई छोटी बाजार की ओर जा रहा है। सूचना के

आधार पर पुलिस टीम ने टंकी दफाई हनुमान मंदिर के पास छोटी बाजार में रेड कार्रवाई की। मौके पर संदेही को रोककर नाम-पता पूछने पर उसने अपना नाम मुन्ना राव पिता राजू राव, उम्र 32 वर्ष, निवासी कपूर सिंह दफाई छोटी बाजार थाना चिरमिरी जिला एमसीबी बताया । आरोपी को मुखबिर सूचना से अवगत कराकर तलाशी ली गई, जिसमें एक प्लास्टिक पन्नी में भरा हुआ मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। तौल करने पर गांजे का वजन 01 किलो 100 ग्राम पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 22,000 रुपये है। गवाहों के समक्ष बरामद गांजा को जब्त कर लिया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना चिरमिरी में अपराध क्रमांक 290/24 धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर 24 नवम्बर 2024 को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद आरोपी को जिला उप जेल मनेन्द्रगढ़ भेज दिया गया। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक विवेक पाटले थाना प्रभारी चिरमिरी, सहायक उप निरीक्षक दौलत राम, प्रधान आरक्षक नागेश नाहक, शैलेन्द्र केशरवानी, आरक्षक अमित गुप्ता, सुरेन्द्र राम, कमलेश साहू एवं भुवनेश्वर राजवाड़े शामिल थे।

जल जीवन मिशन के तहत जिले के 12 गांवों के 1400 से अधिक घरों में मिलने लगा साफ पेयजल

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। केंद्र सरकार व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन व हर घर जल के तहत जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार ने जानकारी दी है कि जिले के सुरमी, डकईपारा, खैरी, सोरगा, दुर्गापारा, जगदीशपुर, विक्रमपुर, कांटों, ओड़गी, हर्रीडीह, अमहर और खोड़री गांवों के एक हजार 469 घरों में साफ पेयजल मिलने लगा है। उमझर ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम दुर्गापारा निवासी श्रीमती मंगली बाई, श्रीमती लीलावती, श्रीमती सोन कुंवर, श्रीमती बुधनी बाई व श्रीमती नीता पण्डो कहती है कि गांव में नल व पानी की सुविधा नहीं होने की वजह से कतकहिया नाला, केतकी झरिया से पानी लाकर जीवन बसर करती थीं। इस गांव में पण्डो जनजातीय की संख्या अधिक हैं। गांव वालों ने बताया

कि नल नहीं होने के कारण उन्हें घर से करीब डेढ़-दो किलोमीटर पगडण्डी व उबड़खाबड़ रास्ते और जंगल के बीच गुजर कर पानी लाने लिए जाते थे जो जीवन का एक हिस्सा बन चुका था। सरपंच श्रीमती शान्ति बाई व पूर्व सरपंच गम्भीर सिंह ने बताया कि इस गांव में पेयजल सुविधा के लिए लगातार अधिकारियों से सम्पर्क किया, इसी कारण यहां पेयजल मुहैया हो पाया है। कुछ घरों में पानी की धार कम आने की शिकायत मिली है, उसे भी जल्दी दूर कर लिया जाएगा। डकईपारा निवासी श्रीमती झुरकुंवर, श्रीमती लक्ष्मनिया और श्रीमती सुमित्रा पैकरा ने बताया कि घर में अब नल लग जाने से पानी की किल्लत दूर हुई है। इसी तरह खैरी निवासी श्री शिवप्रसाद सिंह ने बताया कि नल नहीं लगने पर उन्हें दूर से पानी लाना पड़ता था लेकिन अब घर में ही साफ पेयजल मिलने से उन्हे राहत मिल गया है। इन ग्रामवासियों ने बताया कि पहले पीने की पानी को लेकर काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। बरसात में गंदे पानी तो गर्मी के दिनों में पानी के लिए दूर-दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ता था। केन्द्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को राज्य सरकार बेहद प्राथमिकता से क्रियान्वयन करने में लगी है, जिसके कारण घर में ही नल कनेक्शन लगने से पानी की समस्या दूर हुई वहीं समय की बचत भी हुई है।

राजस्थान भवन के दिवंगत ट्रस्टियों को याद कर दी गई श्रद्धांजलि

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। शहर के स्टेशन रोड स्थित सामाजिक संस्था राजस्थान भवन में रविवार को श्रद्धांजलि समारोह आयोजित कर राजस्थान भवन के दिवंगत ट्रस्टियों को याद कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि समारोह में दिवंगत ट्रस्टियों में स्व. रामगोपाल गोयल, स्व. हरिप्रसाद तोदी, स्व.महावीर प्रसाद पोद्दार, स्व.बनवारी लाल पोद्दार, स्व. बनवारी लाल सर्राफ, स्व.ओम प्रकाश सिगतिया, स्व. विजय पोद्दार, स्व. रामानुज अग्रवाल, स्व. विनोद अग्रवाल, स्व. कैलाश खेड़िया, स्व. केशव पोद्दार, स्व. अरुण कुमार तोदी के कार्यों को याद करते हुए पितरों का आव्हान कर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान राजस्थान भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष श्याम सुंदर पोद्दार ने कहा कि हमें पूर्वजों ने राजस्थान भवन के रूप में एक धरोहर दी है उसे सजाने, संवारने एवं संरक्षित रखने का दायित्व हम सभी सदस्यों का

है। इस अवसर पर समाज के अन्य सदस्यों ने भी दिवंगत ट्रस्टियों के कार्यों के याद को साझा किया। श्रद्धांजलि समारोह में काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा